

# UPSC (IAS) Prelims 2025

# Current Affairs

**CRASH**

**COURSE**

**#IAS**

**18 Months**

**ABHAY SIR**



## Events in News



- जन योजना अभियान (Jan Yojana Abhiyan)
- सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स
- भारत का मिसाइल सिस्टम
- जलविद्युत परियोजनाओं हेतु योजना
- इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन
- आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन



Ministry of Panchayati Raj  
Government of India



जन योजना अभियान (Jan Yojana Abhiyan)



## जन योजना अभियान (Jan Yojana Abhiyan)

### चर्चा में क्यों :-

- पंचायती राज मंत्रालय द्वारा 2025-26 के लिए ग्राम पंचायत विकास योजनाएं (GPDPS) तैयार करने हेतु शुरू किया गया।
- पहली बार 2 अक्टूबर, 2018 को "सबकी योजना सबका विकास" पहल के रूप में लॉन्च। पंचायतों के सभी तीन स्तरों (ग्राम, ब्लॉक, जिला) पर लागू।

### उद्देश्य :-

1. पंचायत विकास योजनाओं में जनता की भागीदारी बढ़ाना।
2. "समग्र सरकार और समग्र समाज" दृष्टिकोण को अपनाकर सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को लागू करना।





## मुख्य घटक-

पंचायत विकास सूचकांक का उपयोग कर प्रत्येक ग्राम सभा के लिए एक विकास कैलेंडर तैयार करने की योजना है

### 1. सुनियोजित सभाएं-

- ग्राम सभा, महिला सभा, ब्लॉक सभा और जिला सभा का आयोजन।
- पंचायत विकास सूचकांक (PDI) के आधार पर विकास अंतराल की पहचान।

2. पंचायत विकास सूचकांक (PDI) पंचायतों के समग्र विकास और प्रदर्शन का आकलन करने हेतु मल्टी-डोमेन और मल्टी-सेक्टरल इंडेक्स।



The poster features the following text and graphics:

- Logos of the Ministry of Panchayati Raj and the Jan Yojana Abhiyan.
- Text: "जन योजना अभियान" (Jan Yojana Abhiyan)
- Text: "के अंतर्गत, गाँवों को पिछली" (Under this, villages are left behind)
- Text: "उपलब्धियों का आकलन" (Assessment of achievements)
- Text: "कर भविष्य की समृद्धि के" (for the prosperity of the future)
- Text: "लक्ष्यों की योजना" (Plan for targets)
- Text: "बनाने में सशक्त किया जाता है।" (is strengthened in building)
- Text: "जन योजना अभियान पर राष्ट्रीय कार्यशाला" (National workshop on Jan Yojana Abhiyan)
- Text: "30 सितंबर, 2024" (30 September, 2024)
- A photograph of a community meeting with people sitting on the ground and a woman standing and speaking.



### 3. विकास कैलेंडर-

प्रत्येक ग्राम सभा के लिए थीमैटिक विकास कैलेंडर तैयार किया जाएगा।

### 4. समावेशी भागीदारी-

युवाओं और 75+ वर्ष के बुजुर्गों योजना निर्माण और समावेशी विकास में भागीदारी को बढ़ाना।

### 5. उन्नत भारत अभियान (UBA) के साथ सहयोग-

15,000+ उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) के स्टूडेंट्स को शामिल किया जाएगा।

### 6. ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर प्रकाशन-

प्रत्येक मंजूरी प्राप्त ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) को ऑनलाइन प्रकाशित किया जाएगा।





## जन भागीदारी का अर्थ और महत्व-

जन भागीदारी का तात्पर्य निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी संबंधित हितधारकों की प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने से है, जिससे उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

विकास संबंधी योजना निर्माण में जन भागीदारी के लाभ

### 1. कार्यान्वयन दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार

- जन भागीदारी से योजनाओं की स्वीकार्यता और प्रभावशीलता बढ़ती है।
- लाभों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित होता है।
- स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा मिलता है।





## 2. उदाहरण –

- मनरेगा (MGNREGA) ग्राम सभाएं योजना की प्रगति की समीक्षा करती हैं।
- प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) के माध्यम से निगरानी की जाती है।
- सामाजिक लेखा परीक्षा से पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।



The poster features the following text and graphics:

- Logos of the Government of India, Ministry of Panchayati Raj, and the Jan Yojana Abhiyan logo.
- Text: **"जन योजना अभियान"** के अंतर्गत, गाँवों को पिछली **उपलब्धियों का आकलन** कर भविष्य की समृद्धि के **लक्ष्यों की योजना** बनाने में सशक्त किया जाता है।
- Text: **जन योजना अभियान** पर राष्ट्रीय कार्यशाला **30 सितंबर, 2024**
- A photograph of a community meeting with people sitting on the ground and a woman standing and speaking.





### 3. समावेशी निर्णय लेने की प्रक्रिया-

- नागरिकों को जिम्मेदार और टिकाऊ विकास योजनाओं में योगदान देने का अवसर मिलता है।
- योजनाओं के प्रति नागरिकों में स्वामित्व की भावना विकसित होती है।
- नागरिक संतुष्टि और विश्वास में वृद्धि होती है।



**"जन योजना अभियान"**  
के अंतर्गत, गाँवों को पिछली  
**उपलब्धियों का आकलन**  
कर भविष्य की समृद्धि के  
**लक्ष्यों की योजना**  
बनाने में सशक्त किया जाता है।

**जन योजना अभियान**  
पर राष्ट्रीय कार्यशाला  
30 सितंबर, 2024

Department of Panchayati Raj

पंचायती राज

जन योजना अभियान

उपलब्धियों का आकलन

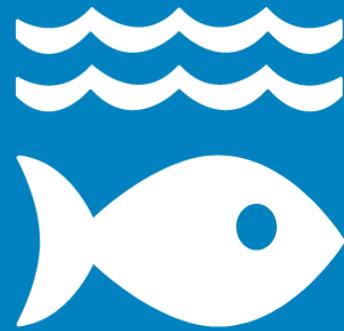
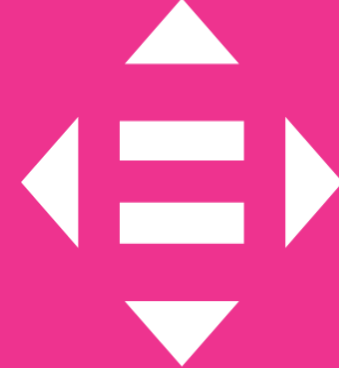
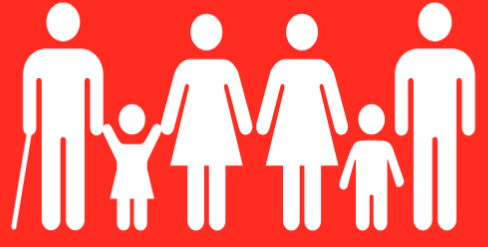
लक्ष्यों की योजना

बनाने में सशक्त किया जाता है।

जन योजना अभियान

पर राष्ट्रीय कार्यशाला

30 सितंबर, 2024



सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स

ES  
pment



## सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (SDGs) और उनके उद्देश्य

संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा 2015 में 17 सतत विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals - SDGs) अपनाए गए थे, जिनका उद्देश्य 2030 तक वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना और आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय संतुलन को सुनिश्चित करना है।





## 1. गरीबी उन्मूलन (No Poverty)

### उद्देश्य:

- अत्यधिक गरीबी (\$1.90 प्रतिदिन से कम आय) को समाप्त करना।
- सभी लोगों को सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- कमजोर वर्गों के लिए आर्थिक संसाधनों तक पहुंच बढ़ाना। प्राकृतिक आपदाओं, आर्थिक झटकों और सामाजिक संकटों से निपटने के लिए मजबूत नीतियां लागू करना।





## 2. भूख समाप्ति (Zero Hunger)

### उद्देश्य:

- सभी के लिए पर्याप्त, पौष्टिक और सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करना।
- 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में कुपोषण को समाप्त करना।
- छोटे किसानों को समर्थन देना और कृषि उत्पादकता बढ़ाना।
- जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देना।





### 3. अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण (Good Health and Well-being)

#### उद्देश्य:

- शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर को कम करना।
- सभी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना।
- संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों का उन्मूलन।
- स्वास्थ्य सेवाओं में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना।





## 4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (Quality Education)

### उद्देश्य:

- सभी बच्चों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा प्रदान करना।
- तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना।
- लिंग और आर्थिक असमानता को कम करना और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करना।
- शिक्षा में वैश्विक सहयोग और शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना।





## 5. लैंगिक समानता (Gender Equality)

### उद्देश्य:

- महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ भेदभाव और हिंसा समाप्त करना।
- महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदारी के अवसर देना।
- बाल विवाह, महिला जननांग विकृति (FGM) जैसी प्रथाओं को समाप्त करना।
- महिलाओं को आर्थिक संसाधनों, संपत्ति के अधिकार और वित्तीय सेवाओं तक समान पहुंच देना।



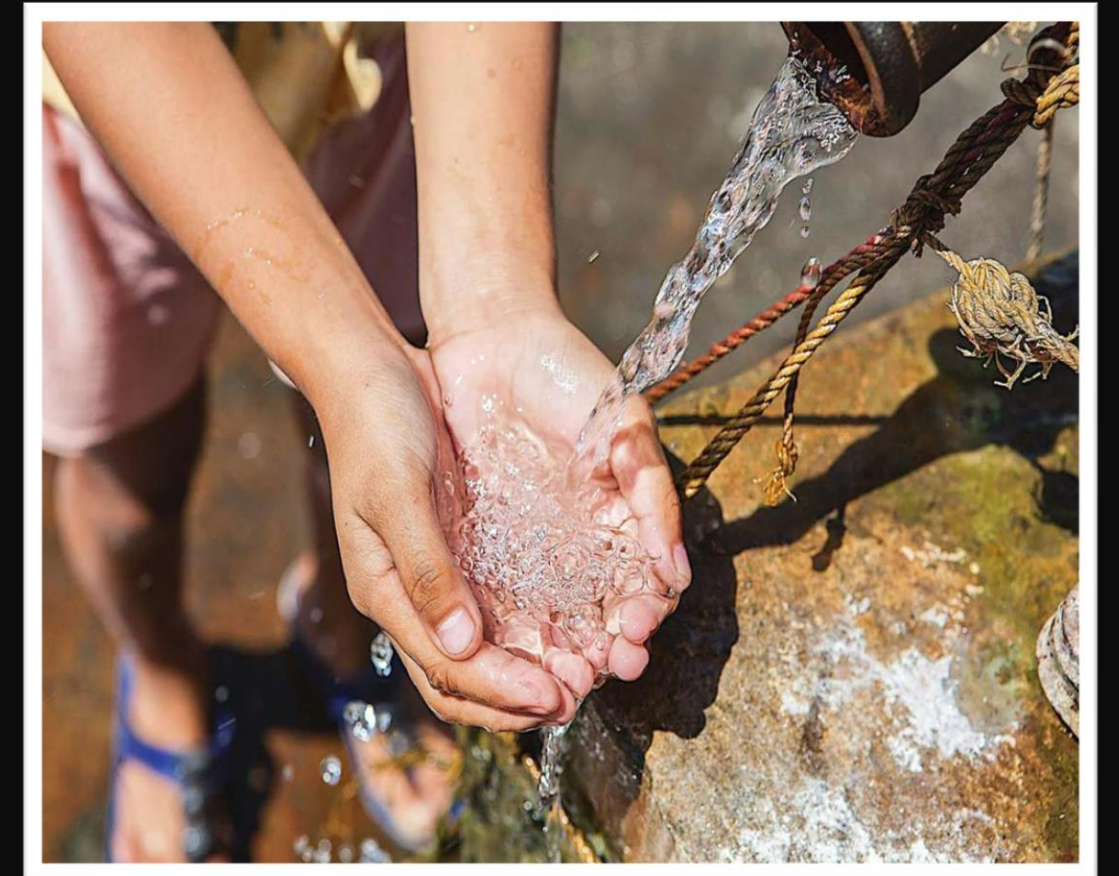




## 6. स्वच्छ जल और स्वच्छता (Clean Water and Sanitation)

### उद्देश्य:

- सभी के लिए सुरक्षित और सस्ती पेयजल सेवाएं उपलब्ध कराना।
- जल प्रबंधन और स्वच्छता प्रणालियों को मजबूत करना।
- अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग बढ़ाना और जल गुणवत्ता सुधारना।





## 7. सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा (Affordable and Clean Energy)

### उद्देश्य:

- सभी को सस्ती, विश्वसनीय और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच प्रदान करना।
- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना।
- ऊर्जा दक्षता में सुधार और अनुसंधान व विकास को बढ़ावा देना।





## 8. आर्थिक विकास और गरिमापूर्ण कार्य (Decent Work and Economic Growth)

### उद्देश्य:

- सतत और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।
- सभी के लिए सम्मानजनक और उत्पादक रोजगार के अवसर पैदा करना।
- बाल श्रम और जबरन श्रम को समाप्त करना।
- लघु और मध्यम उद्योगों के विकास को बढ़ावा देना।





## 9. उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा (Industry, Innovation, and Infrastructure)

### उद्देश्य:

- मजबूत, लचीला और सतत बुनियादी ढांचा विकसित करना।
- औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना और नवाचार में निवेश करना।
- हरित और पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को अपनाना।

9 INDUSTRY, INNOVATION  
AND INFRASTRUCTURE





## 10. असमानता में कमी (Reduced Inequalities)

### उद्देश्य:

- आय असमानता को कम करना।
- सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना।
- सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समावेश को बढ़ावा देना।
- विकासशील देशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना।





## 11. सस्टेनेबल सिटीज और कम्युनिटीज (Sustainable Cities and Communities)

### उद्देश्य:

- सभी के लिए किफायती और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना।
- सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को मजबूत करना।
- शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार।
- प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए योजना बनाना।

## 11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES





## 12. जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन (Responsible Consumption and Production)

### उद्देश्य:

- प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देना।
- अपशिष्ट उत्पादन को कम करना और पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करना।
- सतत उत्पादन और उपभोग पैटर्न को अपनाना।

12 RESPONSIBLE  
CONSUMPTION  
AND PRODUCTION





### 13. जलवायु परिवर्तन से निपटना (Climate Action)

#### उद्देश्य:

- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नीतियों को लागू करना।
- कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना।
- प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सामुदायिक लचीलापन बढ़ाना।







## 14. जल जीवन (Life Below Water)

### उद्देश्य:

- महासागरों और समुद्री पारिस्थितिक तंत्रों का संरक्षण करना।
- समुद्री प्रदूषण को कम करना और प्लास्टिक अपशिष्ट को नियंत्रित करना।
- समुद्री जैव विविधता को संरक्षित करना और मछली पकड़ने के सतत तरीकों को अपनाना।

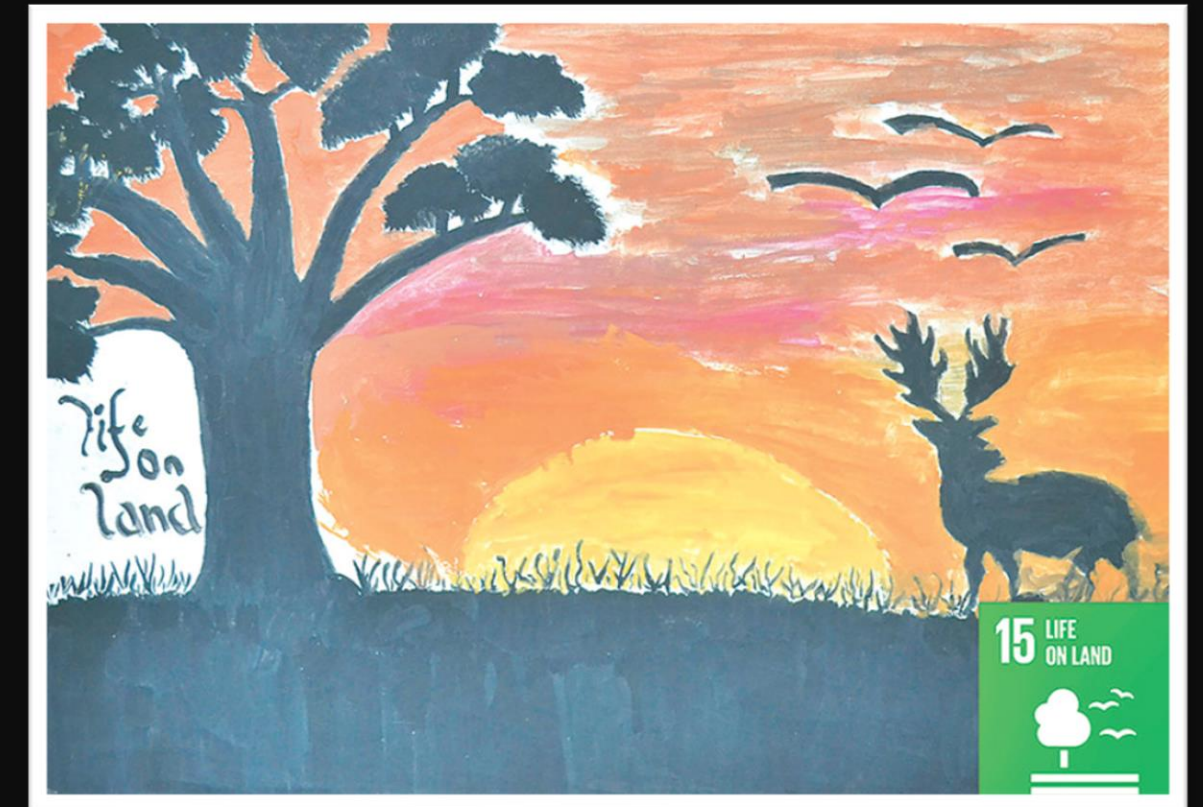




## 15. स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण (Life on Land)

### उद्देश्य:

- वनस्पतियों और जीवों की जैव विविधता को संरक्षित करना।
- वनों की कटाई को रोकना और वनों का सतत प्रबंधन करना।
- भूमि क्षरण को रोकना और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना।





## 16. शांति, न्याय और सशक्त संस्थान (Peace, Justice, and Strong Institutions)

### उद्देश्य:

- शांतिपूर्ण और समावेशी समाजों का निर्माण करना।
- भ्रष्टाचार और अन्याय को समाप्त करना।
- मानवाधिकारों की रक्षा और कानून के शासन को बनाए रखना।

16 PEACE, JUSTICE  
AND STRONG  
INSTITUTIONS





## 17. साझेदारी (Partnerships for the Goals)

### उद्देश्य:

- वैश्विक भागीदारी और सहयोग को मजबूत करना।
- विकासशील देशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- सतत विकास लक्ष्यों को लागू करने के लिए नवाचार और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना।





**भारत का मिसाइल सिस्टम**

### भारत का मिसाइल सिस्टम

- भारत का मिसाइल सिस्टम रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है।
- यह विभिन्न प्रकार की मिसाइलों को शामिल करता है, जैसे बैलिस्टिक मिसाइलें, क्रूज मिसाइलें, टैक्टिकल मिसाइलें, और एयर डिफेंस मिसाइलें।
- यह प्रणाली भारत की रक्षा रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है।





## 1. बैलिस्टिक मिसाइलें (Ballistic Missiles)

बैलिस्टिक मिसाइलें एक विशेष प्रक्षेपण पथ (trajectory) पर चलती हैं और ये वायुमंडल से बाहर जाकर दुश्मन के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम होती हैं।



## (क) अग्नि सीरीज

- भारत की सबसे महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलें अग्नि श्रृंखला की हैं।
- अग्नि-I: 700-1,200 किमी (मध्यम दूरी की मिसाइल)
- अग्नि-II: 2,000-3,500 किमी
- अग्नि-III: 3,000-5,000 किमी
- अग्नि-IV: 4,000 किमी से अधिक
- अग्नि-V: 5,000-8,000 किमी (अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल, ICBM)
- अग्नि-VI (विकासाधीन): 10,000-12,000 किमी







### (ख) पृथ्वी सीरीज

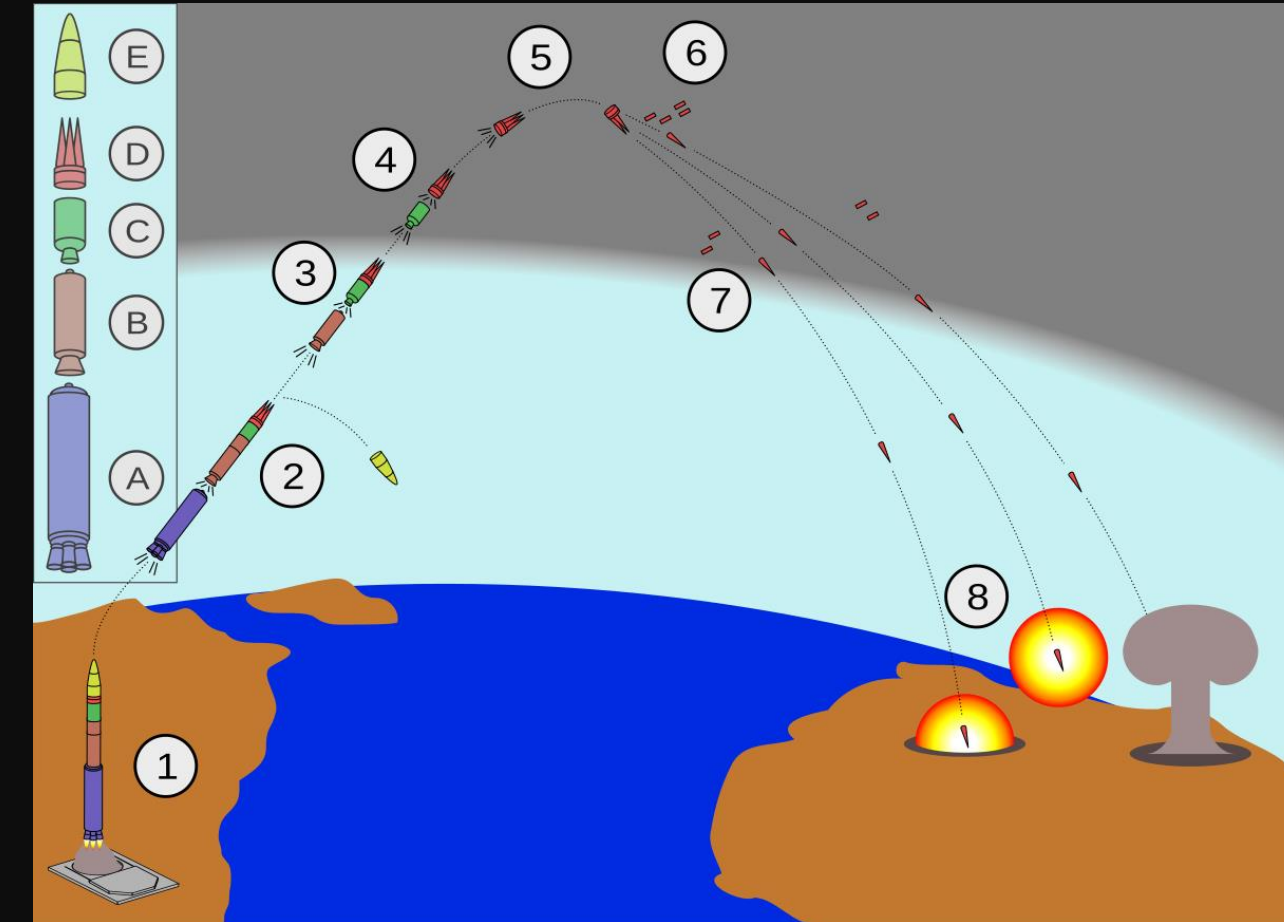
- पृथ्वी-I: 150-350 किमी (थल सेना के लिए)
- पृथ्वी-II: 350-600 किमी (वायु सेना के लिए)
- पृथ्वी-III (Dhanush): 350-600 किमी (नौसेना के लिए)





### (ग) अन्य बैलिस्टिक मिसाइलें

- शौर्य मिसाइल: 700-1,900 किमी (हाइपरसोनिक गति)
- सागरिका (K-15): 750-1,500 किमी (पनडुब्बी से दागी जाने वाली)
- K-4: 3,500 किमी (INS Arihant पनडुब्बी से दागी जाने वाली)



## 2. क्रूज मिसाइलें (Cruise Missiles)

- क्रूज मिसाइलें वायुमंडल में उड़ते हुए अपने लक्ष्य को भेदती हैं और इन्हें रडार से पकड़ना मुश्किल होता है।
- (क) ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित
- सुपरसोनिक गति (Mach 2.8 - 3)
- 290-450 किमी रेंजथल, जल और वायु तीनों से प्रक्षेपण संभव





### (ख) निर्भय मिसाइल

- 1,500 किमी तक मारक क्षमता
- सबसोनिक गति (Mach 0.8) परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम





### 3. वायु रक्षा प्रणाली (Air Defence System)

- भारत की वायु रक्षा प्रणाली दुश्मन के मिसाइल और हवाई हमलों को रोकने के लिए विकसित की गई है।
- (क) आकाश मिसाइल
- सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल
- 30-50 किमी रेंजसुपरसोनिक गति





### (ख) बराक-8

- भारत और इज़राइल द्वारा विकसित
- 70-150 किमी तक मारक क्षमता
- नौसेना और वायु रक्षा के लिए



### (ग) एस-400 ट्रायम्फ

- रूस से खरीदी गई लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली
- 400 किमी तक मारक क्षमता
- बैलिस्टिक मिसाइलों और लड़ाकू विमानों को नष्ट करने में सक्षम



### 4. टैक्टिकल मिसाइलें (Tactical Missiles)

- छोटी दूरी पर लक्ष्य को भेदने वाली मिसाइलें।
- (क) नाग मिसाइल
- टैंक भेदी मिसाइल (Anti-Tank Guided Missile - ATGM)
- 4-7 किमी रेंज हेलिकॉप्टर, वाहन और पैदल सेना द्वारा प्रक्षेपण संभव





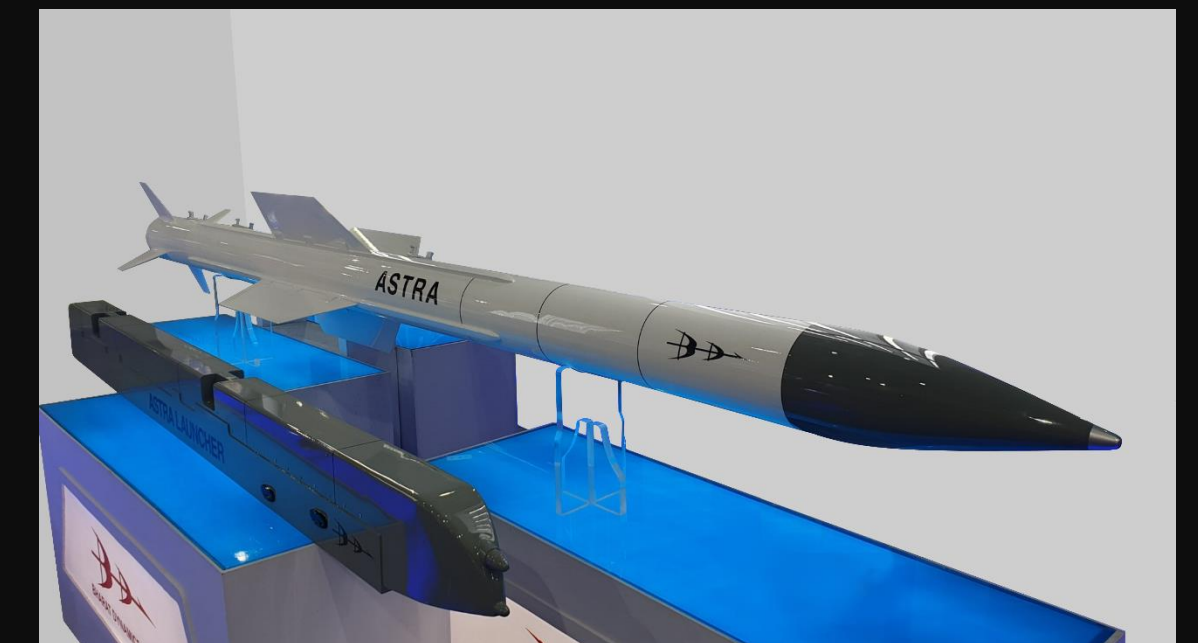


### (ख) हेलिना (HELINA)

- नाग मिसाइल का हेलीकॉप्टर से दागा जाने वाला संस्करण
- 7 किमी तक मारक क्षमता

### (ग) अस्त्र मिसाइल

- हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल
- 110 किमी तक मारक क्षमता



### 5. भारत का भविष्य का मिसाइल कार्यक्रम

- अग्नि-VI: 10,000+ किमी रेंज
- हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (HSTDV)
- सुरफेस-टू-एयर मिसाइल (SAM) सिस्टम का उन्नयन
- स्वदेशी एंटी-सैटेलाइट (ASAT) मिसाइल

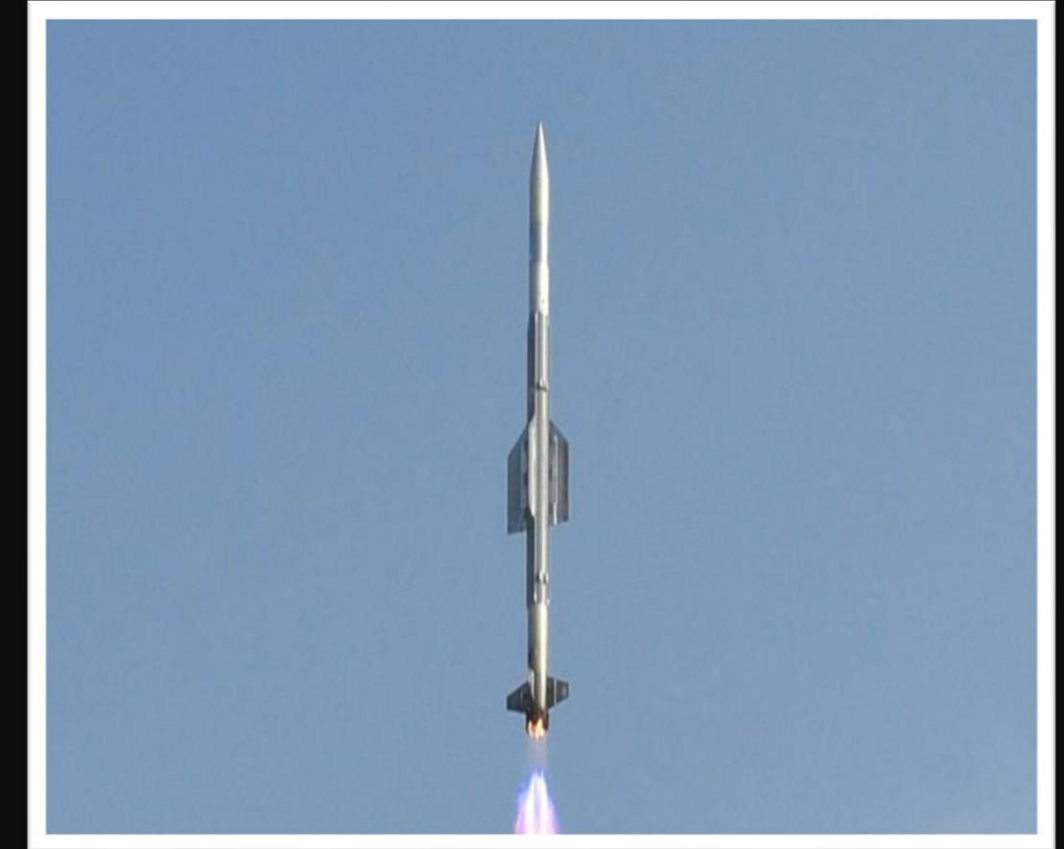




**कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली वर्टिकल लॉन्च मिसाइल (VL-SRSAM)**

**परिचय:**

VL-SRSAM (Vertical Launch Short Range Surface-to-Air Missile) एक स्वदेशी वर्टिकल लॉन्च सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसे भारतीय नौसेना के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है।





### मुख्य विशेषताएँ:

1. श्रेणी: कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल।
2. उद्देश्य: सीमित दूरी तक हवाई खतरों (एंटी-शिप मिसाइल, फाइटर जेट्स, हेलिकॉप्टर, ड्रोन आदि) को नष्ट करना।
3. लॉन्चिंग: पोत (जहाज) आधारित वर्टिकल लॉन्च सिस्टम।
4. तकनीक: स्वदेशी रेडियो फ्रीक्वेंसी (RF) सीकर से लैस, जो लक्ष्य को सटीकता से भेदने में सक्षम।



## VL-SRSAM



## Daily Current News

5. विशेषताएँ: सभी मौसमों में संचालन करने योग्य।  
सी-स्किमिंग लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम (जो  
सतह के बहुत करीब उड़ते हैं)।  
तेज प्रतिक्रिया और उच्च गतिशीलता।

6. हालिया परीक्षण: ओडिशा के चांदीपुर स्थित  
एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से सफल परीक्षण।



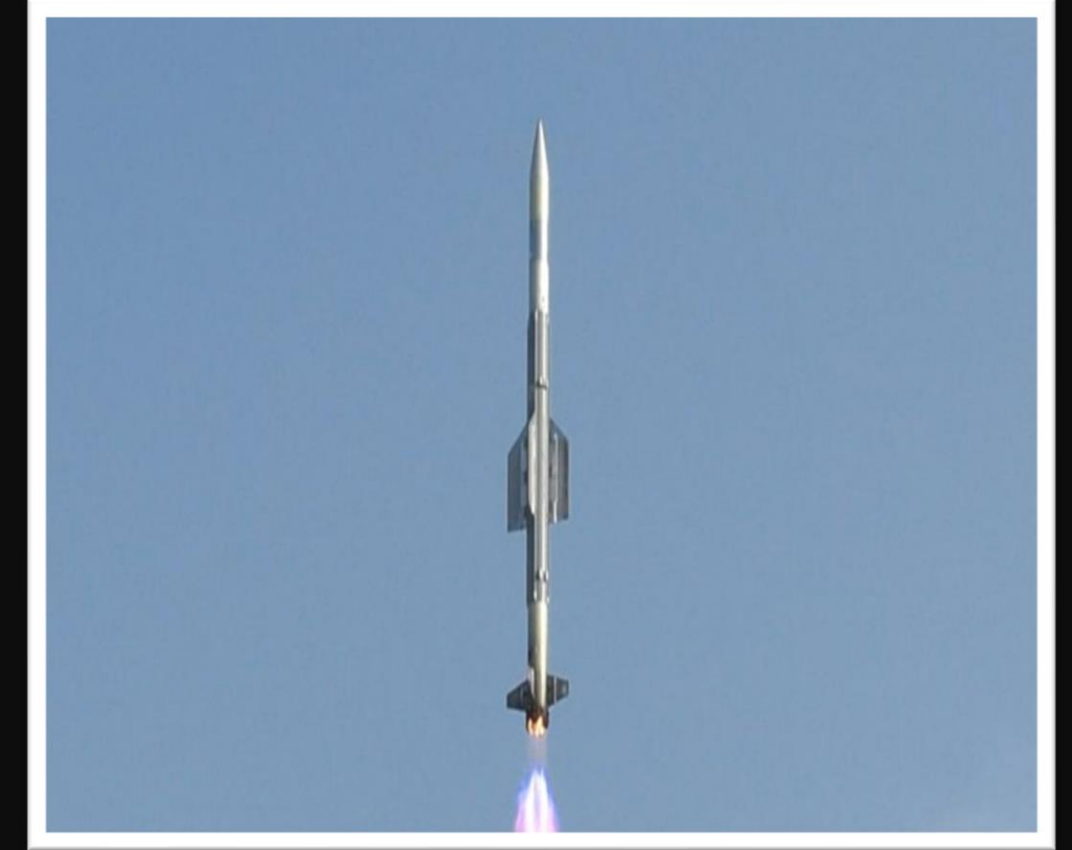
## VL-SRSAM



## Daily Current News

### महत्व:

यह भारतीय नौसेना के लिए एक महत्वपूर्ण रक्षा प्रणाली है, जो आत्मनिर्भर भारत पहल को मजबूत करती है। दुश्मन के हवाई हमलों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। यह मिसाइल भारतीय नौसेना के जहाजों को दुश्मन की मिसाइलों और विमानों से बचाने में सहायक होगी।





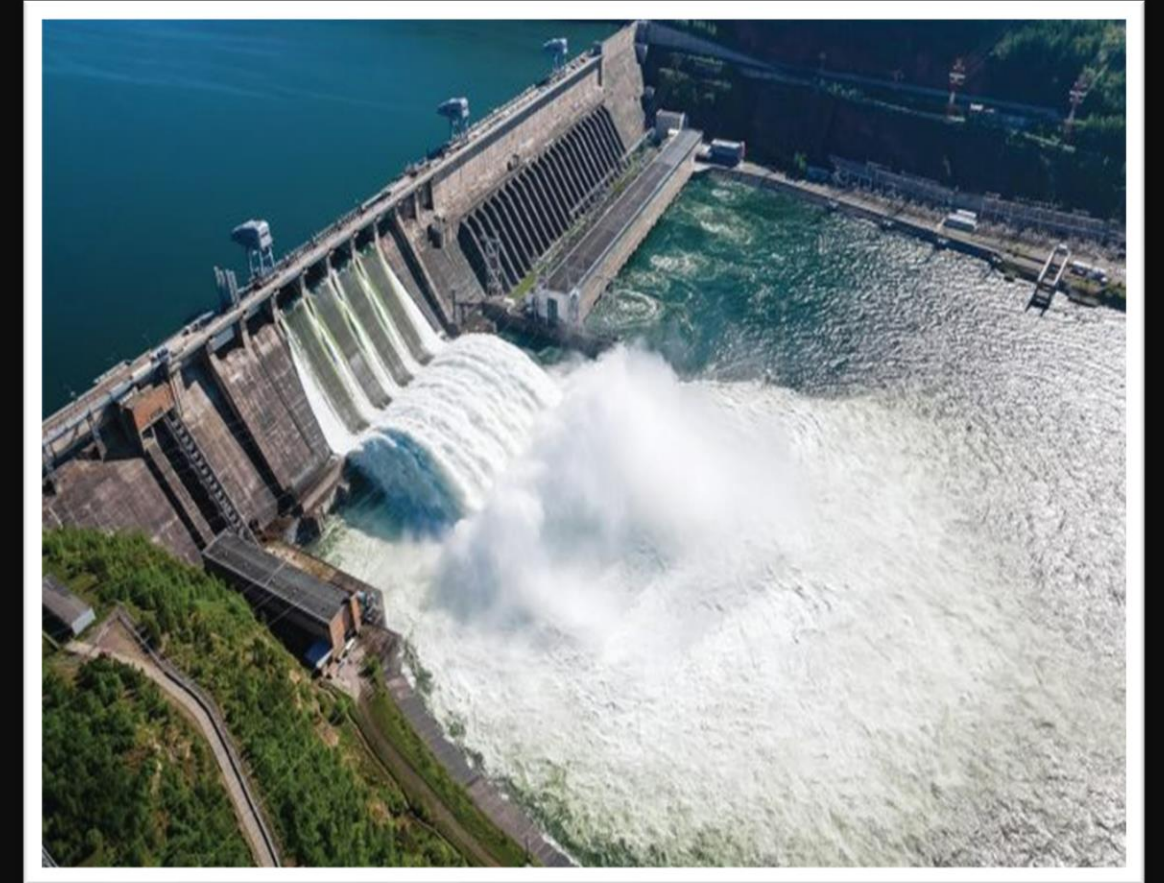
**जलविद्युत परियोजनाओं हेतु योजना**



## जलविद्युत परियोजनाओं हेतु योजना (Scheme for Hydro Electric Projects - HEP)

### परिचय:

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जलविद्युत परियोजनाओं (HEP) के त्वरित विकास और दूरदराज एवं पहाड़ी क्षेत्रों में अवसंरचना सुधार के लिए "जलविद्युत परियोजनाओं के लिए सक्षमकारी अवसंरचना लागत हेतु बजटीय सहायता की योजना" में संशोधन को मंजूरी दी है।





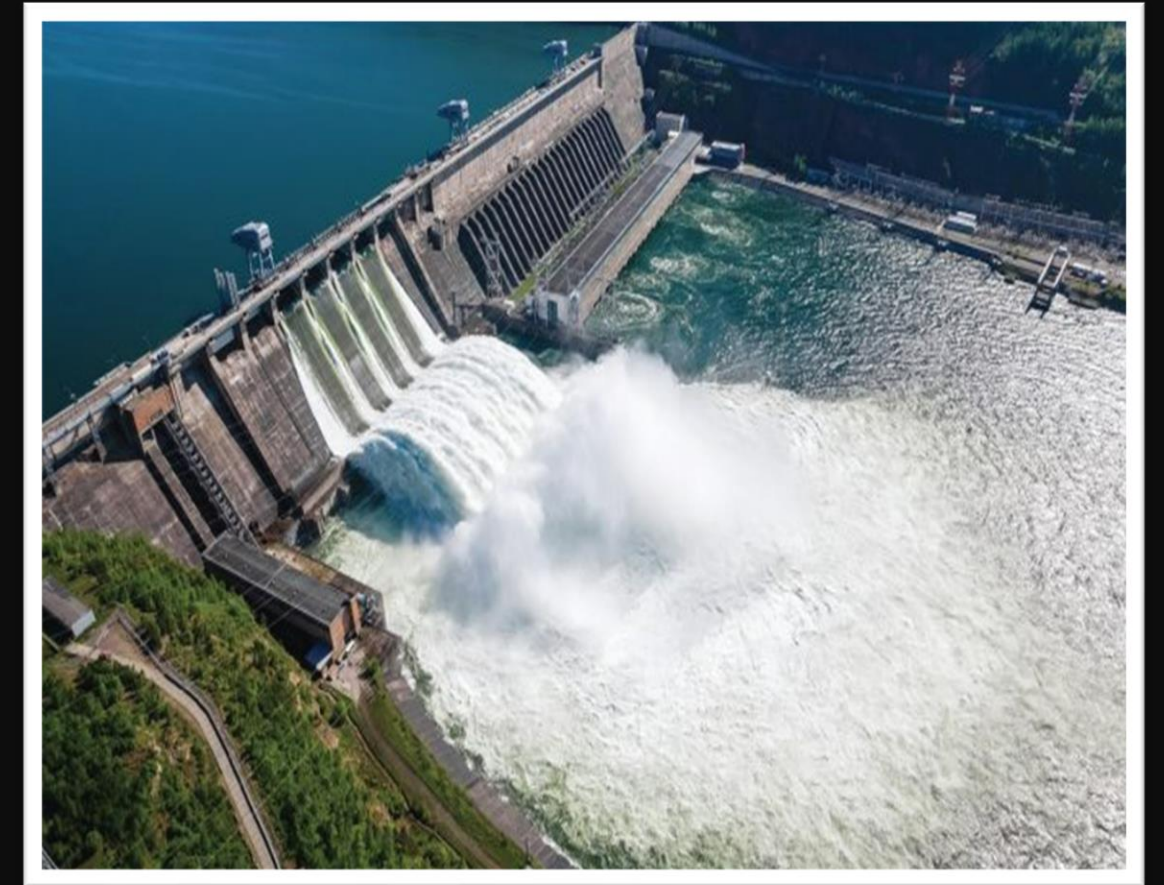
## जलविद्युत परियोजनाओं हेतु योजना



## Daily Current News

### संशोधित योजना के प्रमुख बिंदु:

- 1. शुरुआत:** यह योजना विद्युत मंत्रालय द्वारा 2019 में शुरू की गई थी।
- 2. बजटीय आवंटन:** 31,350 मेगावाट की संचयी उत्पादन क्षमता के लिए 12,461 करोड़ रुपये का कुल आवंटन।
- 3. कार्यान्वयन अवधि:** वित्त वर्ष 2024-25 से 2031-32 तक।
- 4. विस्तार:** पहले केवल सड़क और पुल निर्माण को शामिल किया गया था। अब ट्रांसमिशन लाइन्स, रोपवे, रेलवे साइडिंग और संचार अवसंरचना भी योजना में शामिल।

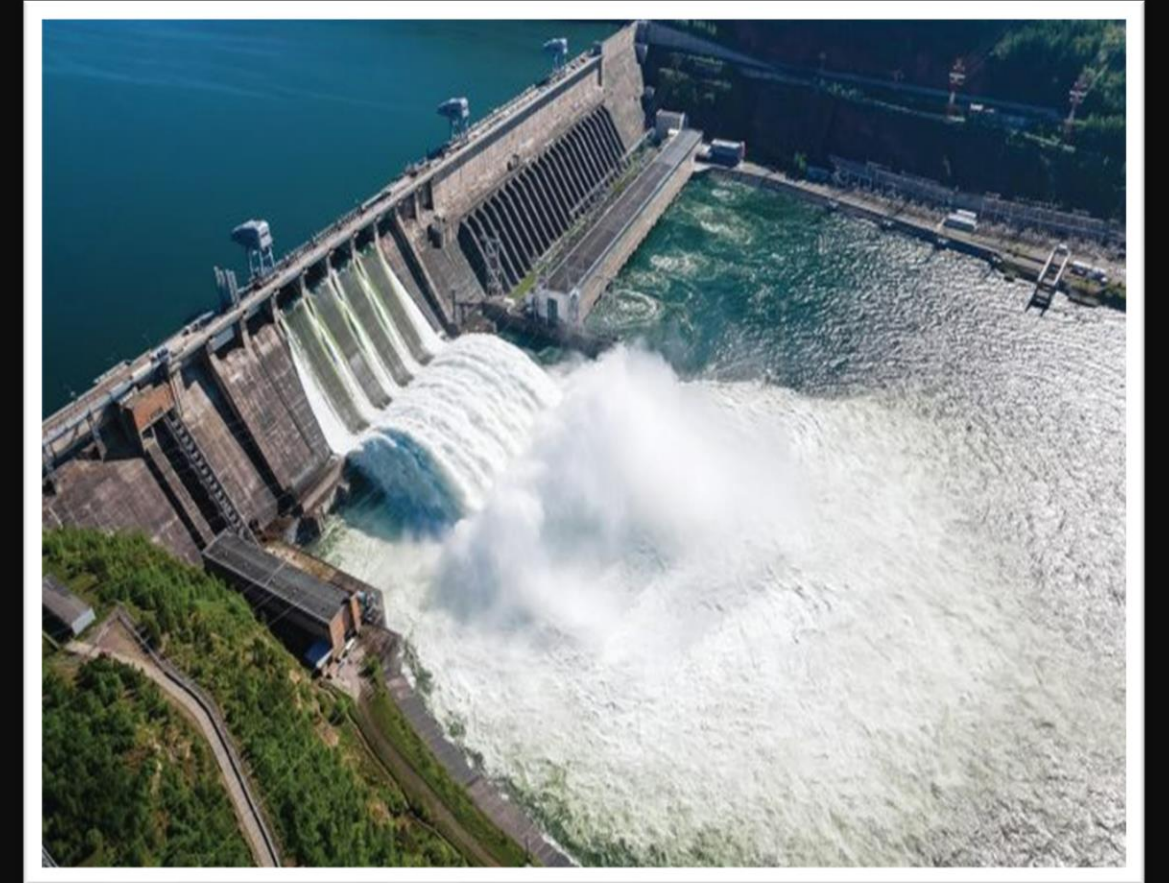




**5. पात्रता:** 25 मेगावाट से अधिक क्षमता वाली जलविद्युत परियोजनाएं। निजी क्षेत्र की परियोजनाएं और सभी पम्पड स्टोरेज परियोजनाएं (PSP) भी पात्र।

**जलविद्युत परियोजनाओं के विकास हेतु अन्य प्रमुख उपाय:**

1. बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं (25 मेगावाट से अधिक) को नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत घोषित किया गया।
2. जलविद्युत खरीद दायित्व (HPDs) लागू किए गए, जिससे संस्थानों के लिए जलविद्युत परियोजनाओं से बिजली खरीदना अनिवार्य होगा।



## जलविद्युत परियोजनाओं हेतु योजना



## Daily Current News

3. जलविद्युत शुल्क कम करने के लिए प्रशुल्क युक्तिकरण उपाय लागू किए जाएंगे।

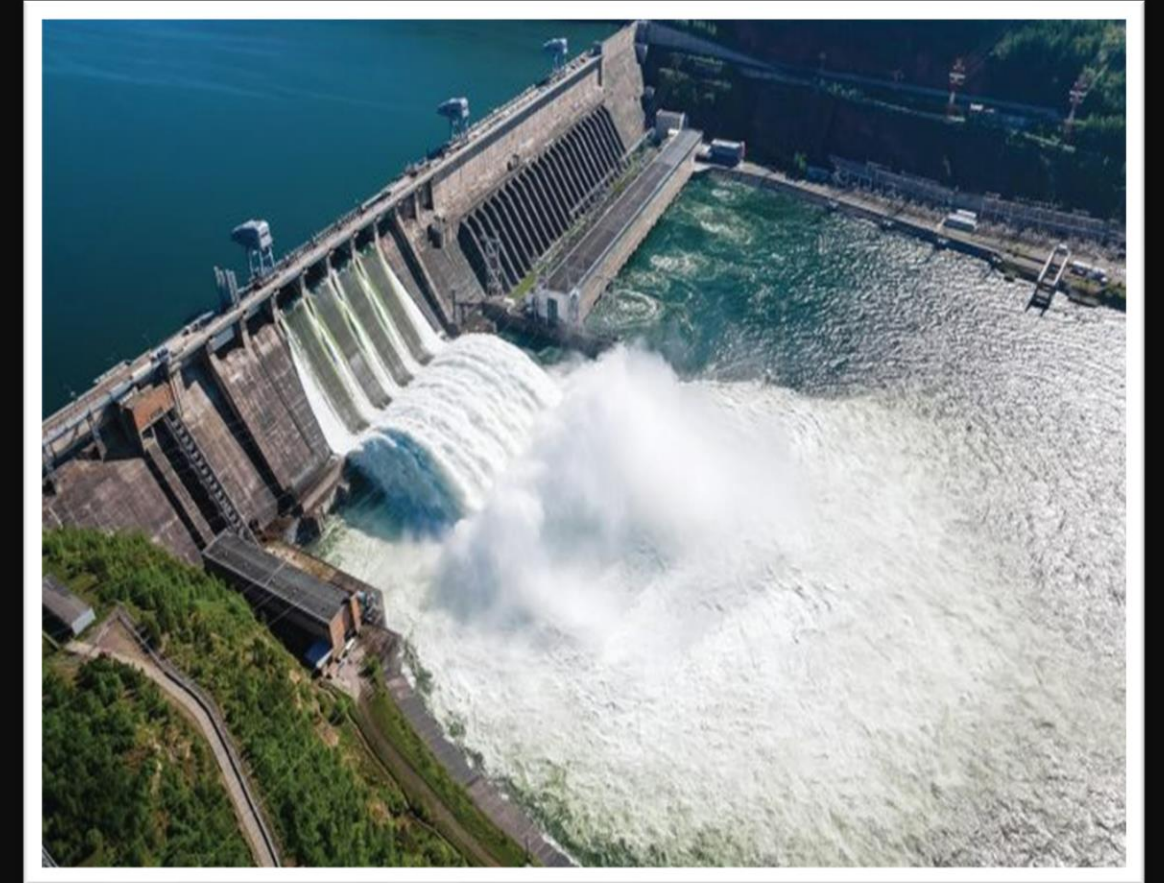
4. बाढ़ नियंत्रण और जल भंडारण परियोजनाओं को बजटीय सहायता प्रदान की जाएगी।

### **महत्व:**

ऊर्जा सुरक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने में सहायक।

दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास।

जलविद्युत उत्पादन बढ़ाकर टिकाऊ और स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन।

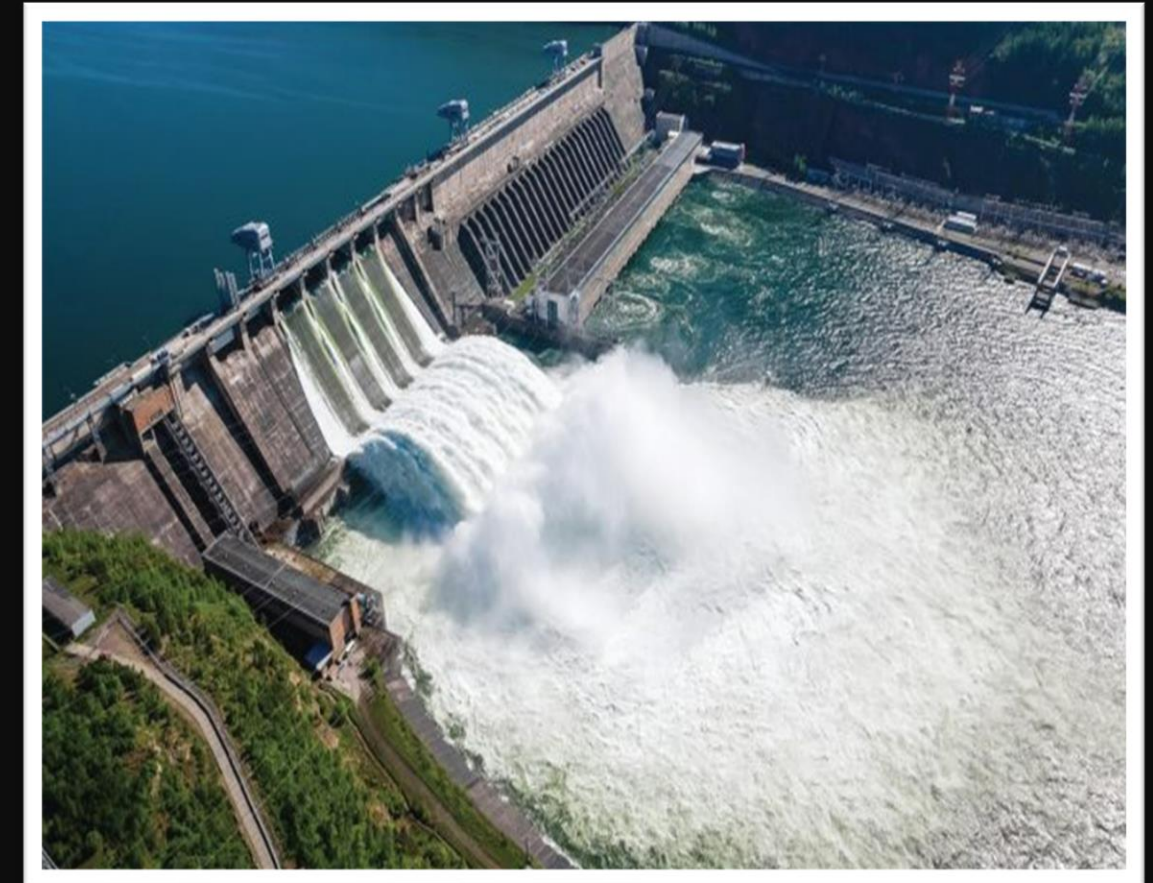




## भारत में जलविद्युत की वर्तमान स्थिति परिचय-

जलविद्युत (Hydropower) भारत में सबसे पुराने और प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में से एक है।

यह स्वच्छ, सस्ती और पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा प्रदान करता है। भारत जलविद्युत उत्पादन में विश्व के शीर्ष 10 देशों में शामिल है।

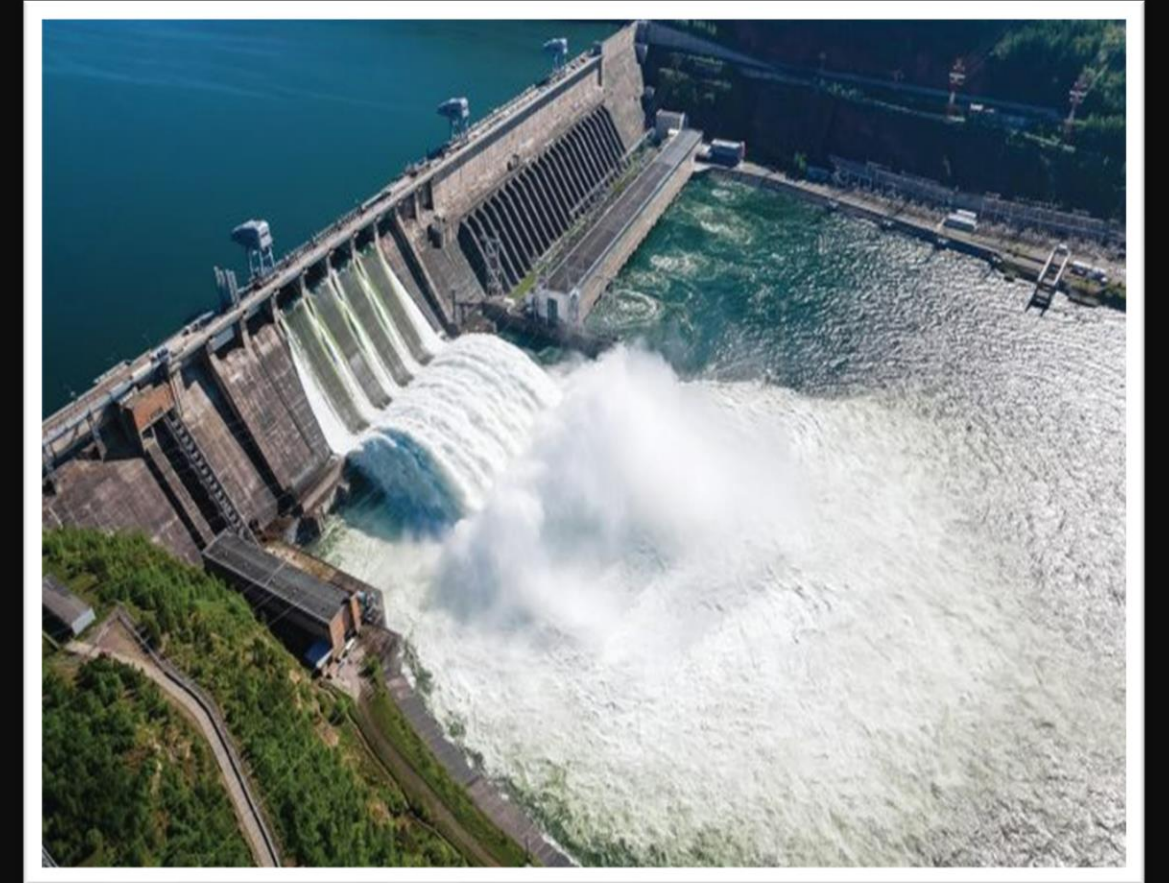




## भारत में जलविद्युत की वर्तमान स्थिति (2024)

### 1. कुल स्थापित क्षमता:

- भारत की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 426.26 गीगावाट (GW) (फरवरी 2024 तक) है।
- इसमें से जलविद्युत की कुल क्षमता लगभग 47.66 GW (लगभग 11%) है।
- 25 मेगावाट से बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत घोषित किया गया है।



## जलविद्युत परियोजनाओं हेतु योजना



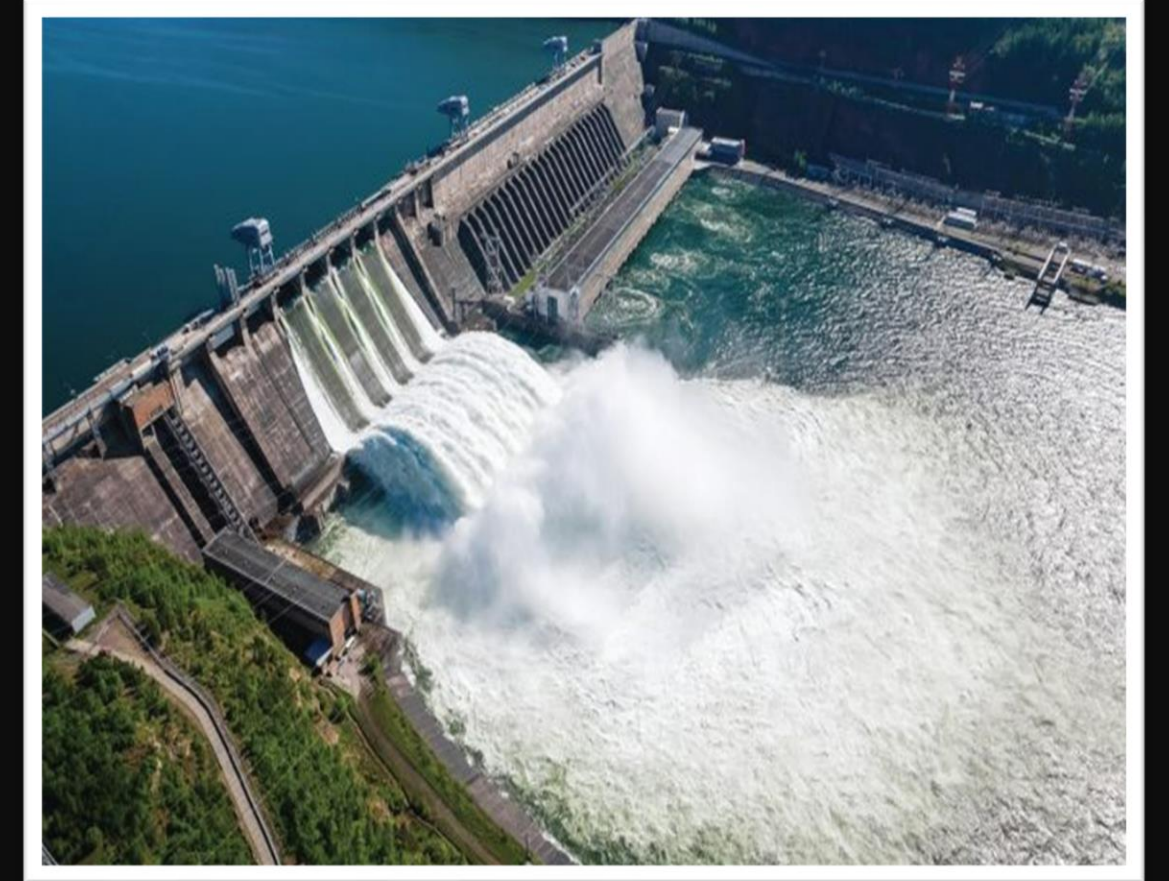
## Daily Current News

### 2. प्रमुख संगठन:

- नैशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (NHPC)
- सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (CEA)
- स्टेट पावर यूटिलिटीज और प्राइवेट कंपनियां

### 3. राज्यानुसार जलविद्युत उत्पादन:

- सर्वाधिक जलविद्युत उत्पादन वाले राज्य: अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम, असम और पश्चिम बंगाल।



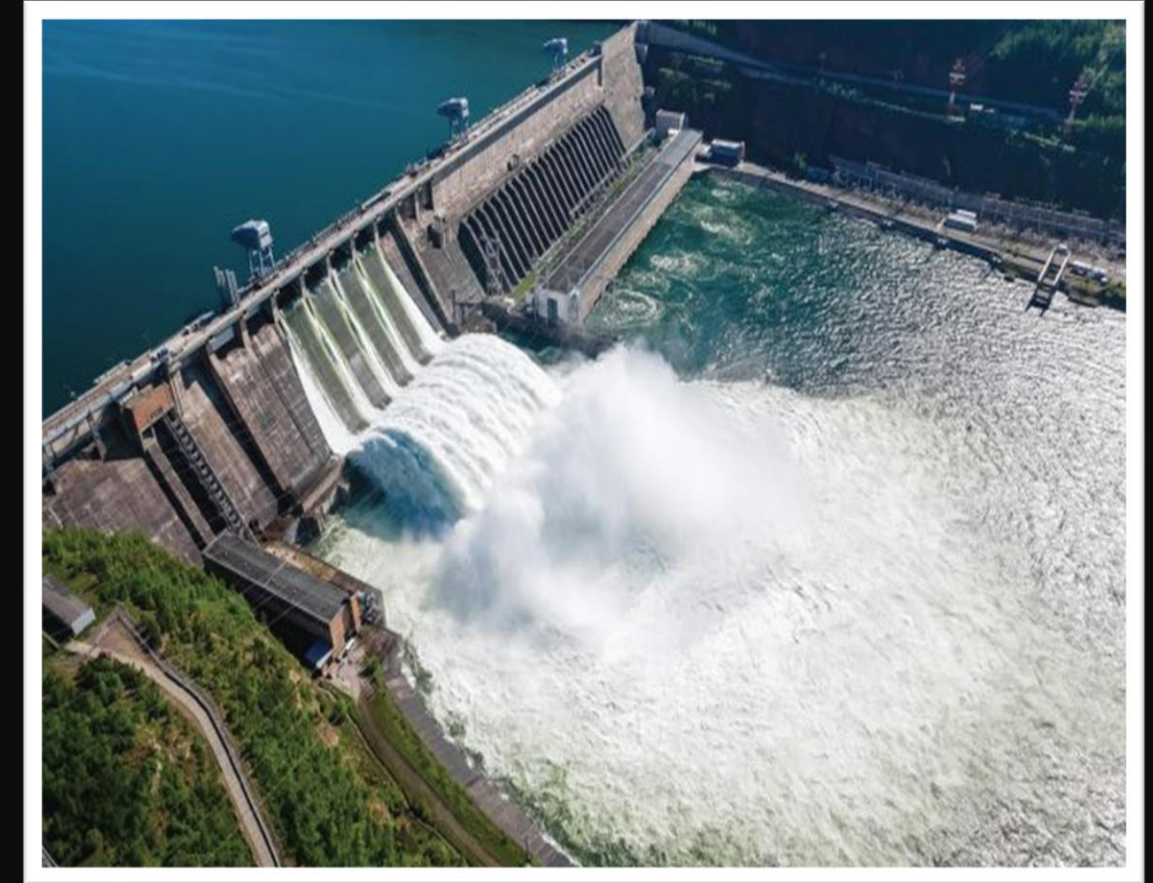
## जलविद्युत परियोजनाओं हेतु योजना



## Daily Current News

### प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएँ:

- भाखड़ा नांगल परियोजना (पंजाब/हिमाचल प्रदेश)
- टिहरी बांध (उत्तराखंड)
- सर्दा (उत्तराखंड)
- कोयना (महाराष्ट्र)





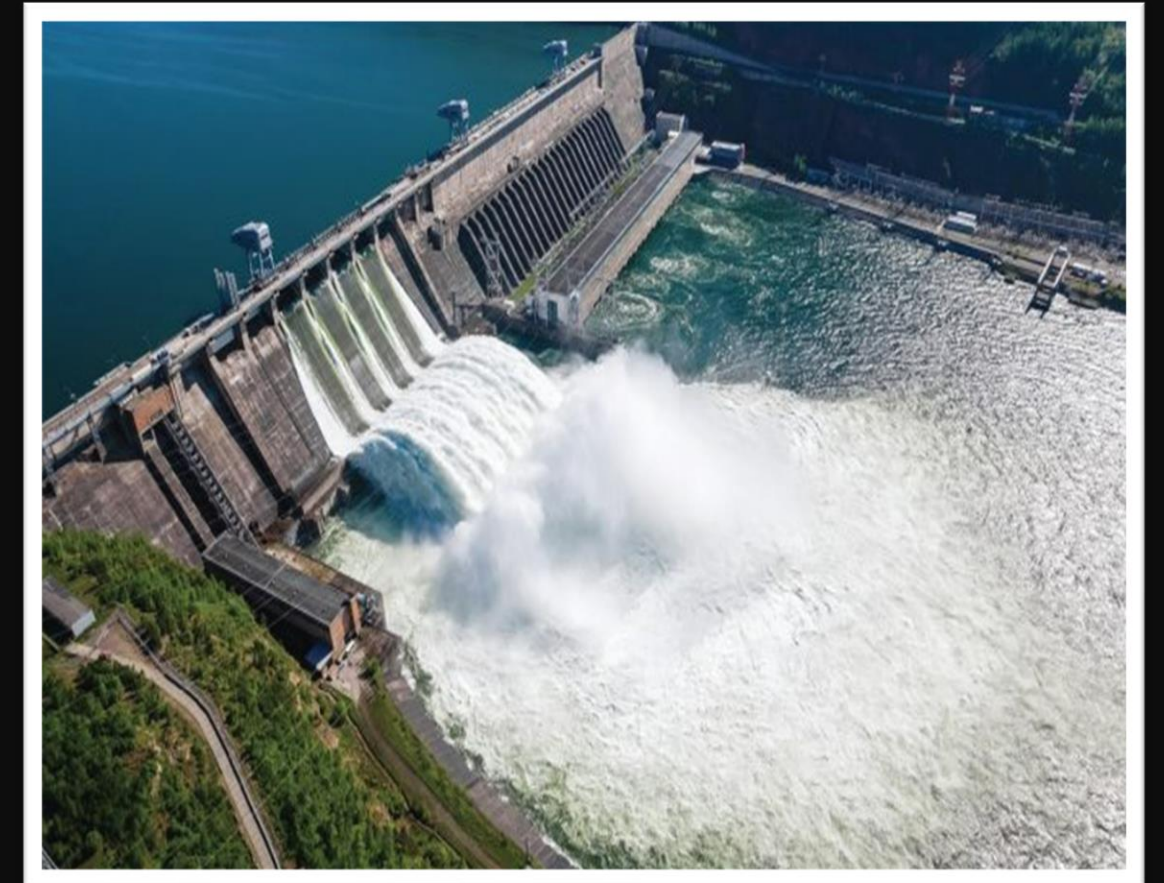
## सरकार की पहल और नीतियाँ

### 1. जलविद्युत परियोजनाओं हेतु सक्षमकारी अवसंरचना लागत योजना (2019, संशोधित 2024)

- जलविद्युत परियोजनाओं के लिए सड़क, पुल, ट्रांसमिशन लाइन्स, रोपवे आदि के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता।
- 12,461 करोड़ रुपये का आवंटन (2024-2032)।

### 2. जलविद्युत खरीद दायित्व (HPDs):

- संस्थाओं को जलविद्युत से बिजली खरीदना अनिवार्य।





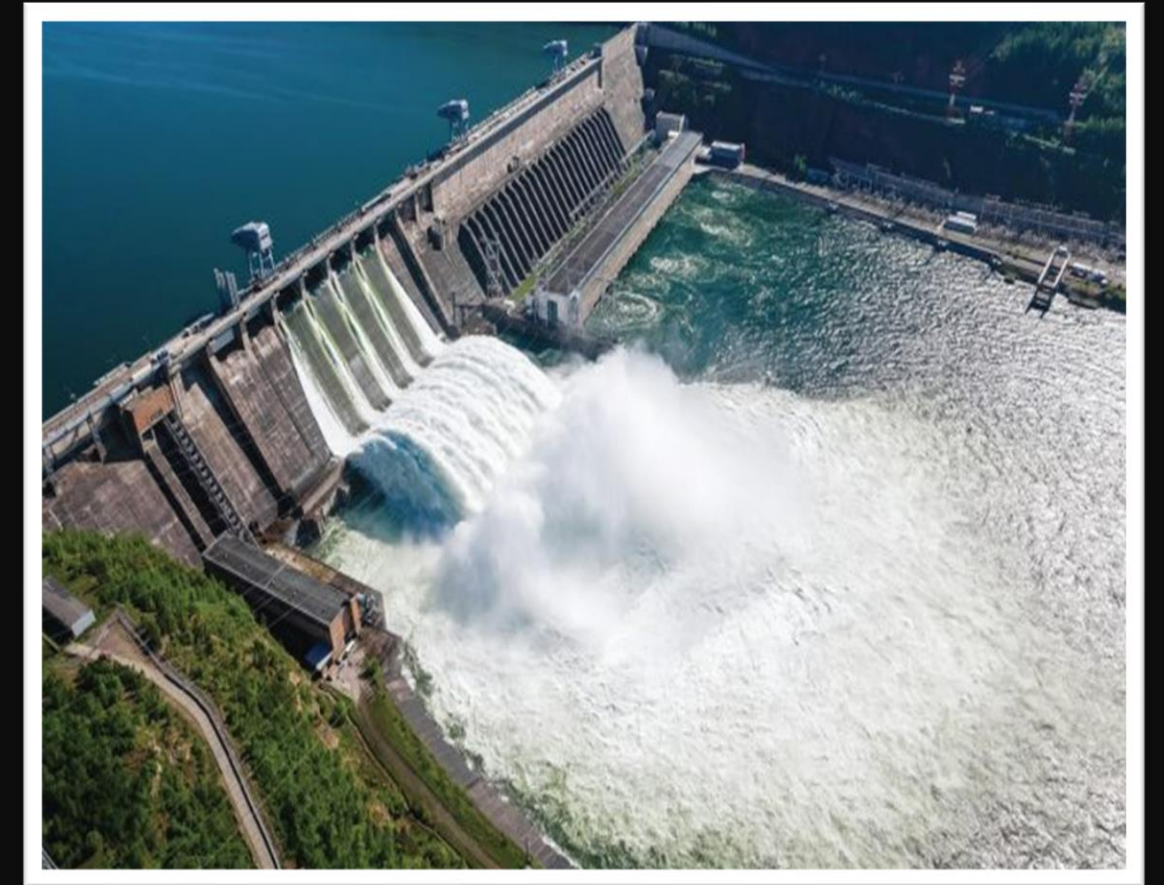


### 3. राष्ट्रीय विद्युत नीति 2021:

- जलविद्युत विकास को बढ़ावा।
- परियोजनाओं की मंजूरी प्रक्रिया तेज करने का प्रयास।

### 4. पंप स्टोरेज परियोजनाएँ (PSP):

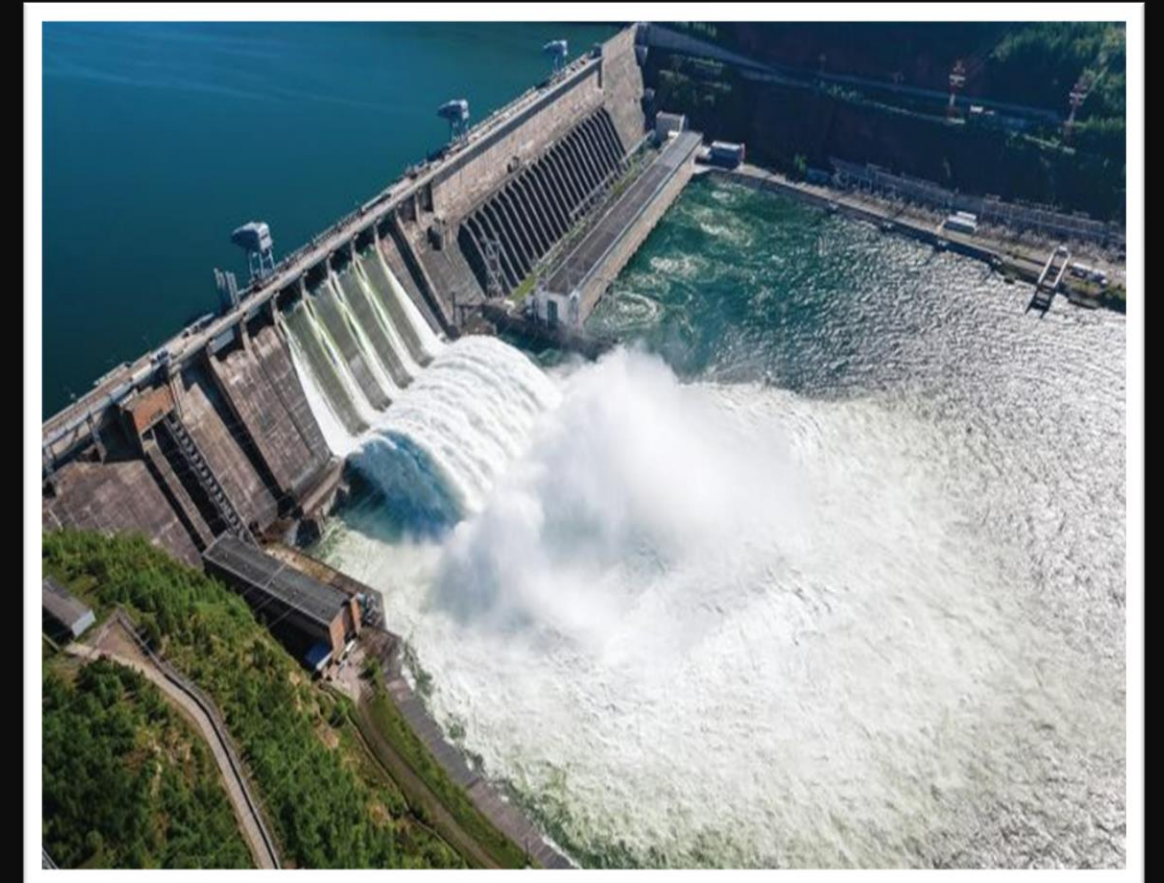
- ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए नई जलविद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा।





## चुनौतियाँ

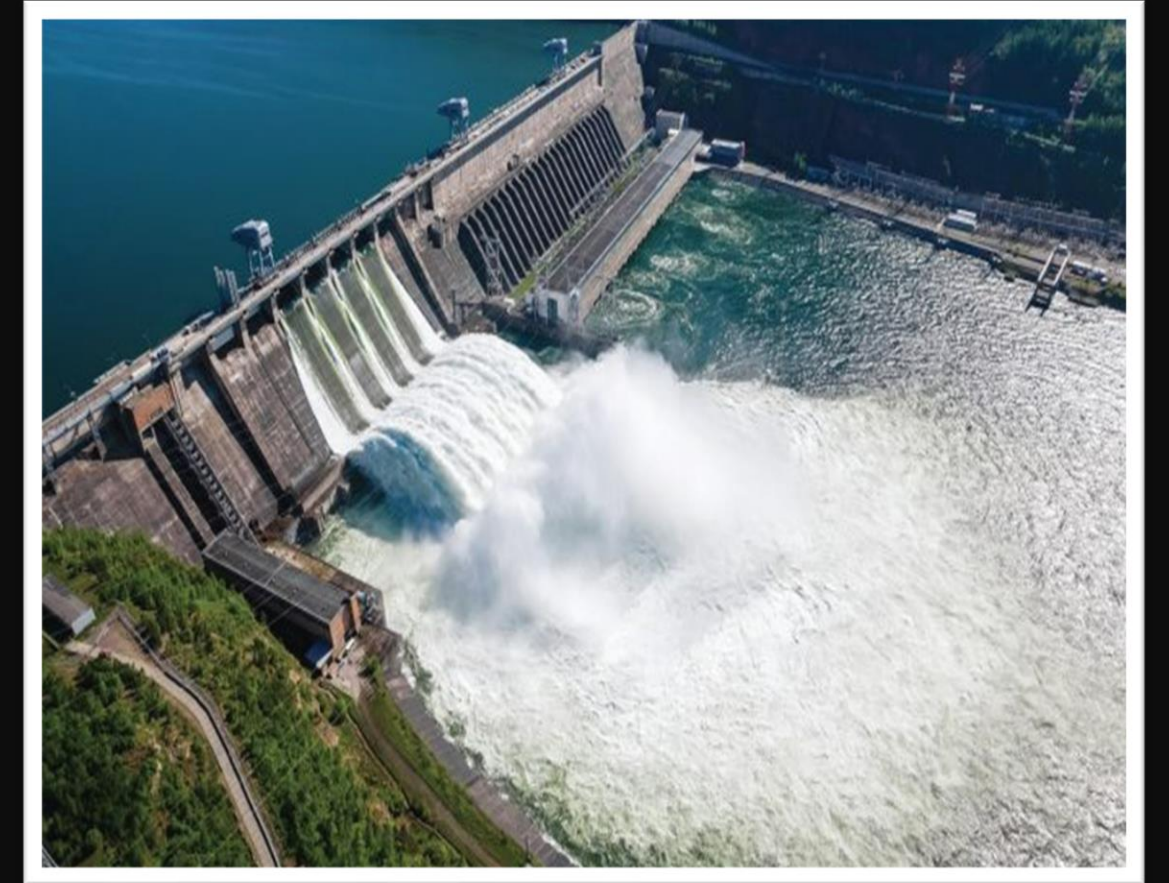
- 1. पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव: बड़ी जलविद्युत परियोजनाएँ वनों की कटाई, जैव विविधता क्षरण और विस्थापन का कारण बनती हैं।
- 2. वित्तीय और तकनीकी समस्याएँ: परियोजनाओं की उच्च लागत और लंबी निर्माण अवधि।
- 3. जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: बर्फबारी में कमी और अनियमित वर्षा जलविद्युत उत्पादन को प्रभावित कर सकती है।
- 4. सीमित निवेश और निजी क्षेत्र की भागीदारी: प्राइवेट कंपनियाँ लंबी अवधि और ऊँची लागत के कारण इसमें कम निवेश करती हैं।



### भारत में कोयला आधारित विद्युत की वर्तमान स्थिति

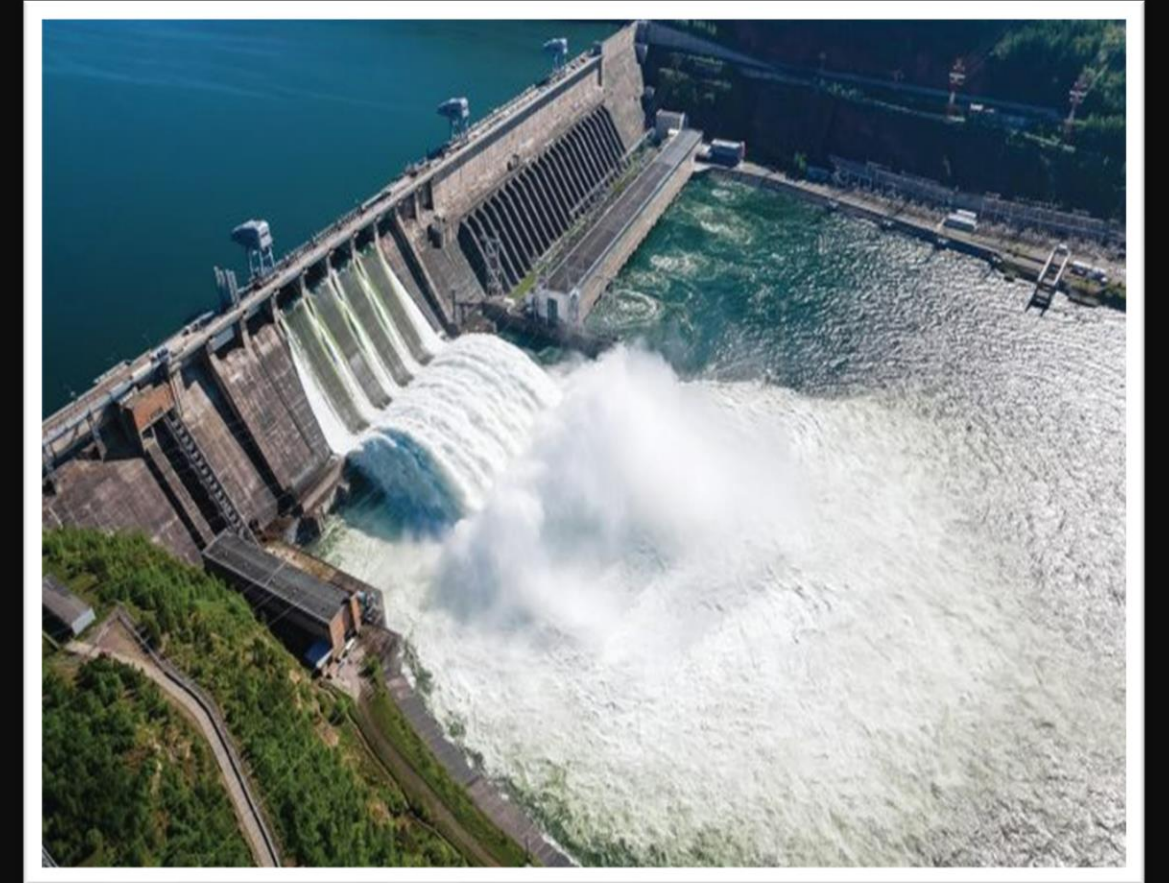
#### परिचय:

- कोयला भारत का प्रमुख विद्युत उत्पादन स्रोत है और देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता का लगभग 50% से अधिक कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों (Coal-based Thermal Power Plants) से आता है।
- भारत दुनिया में कोयले का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है।



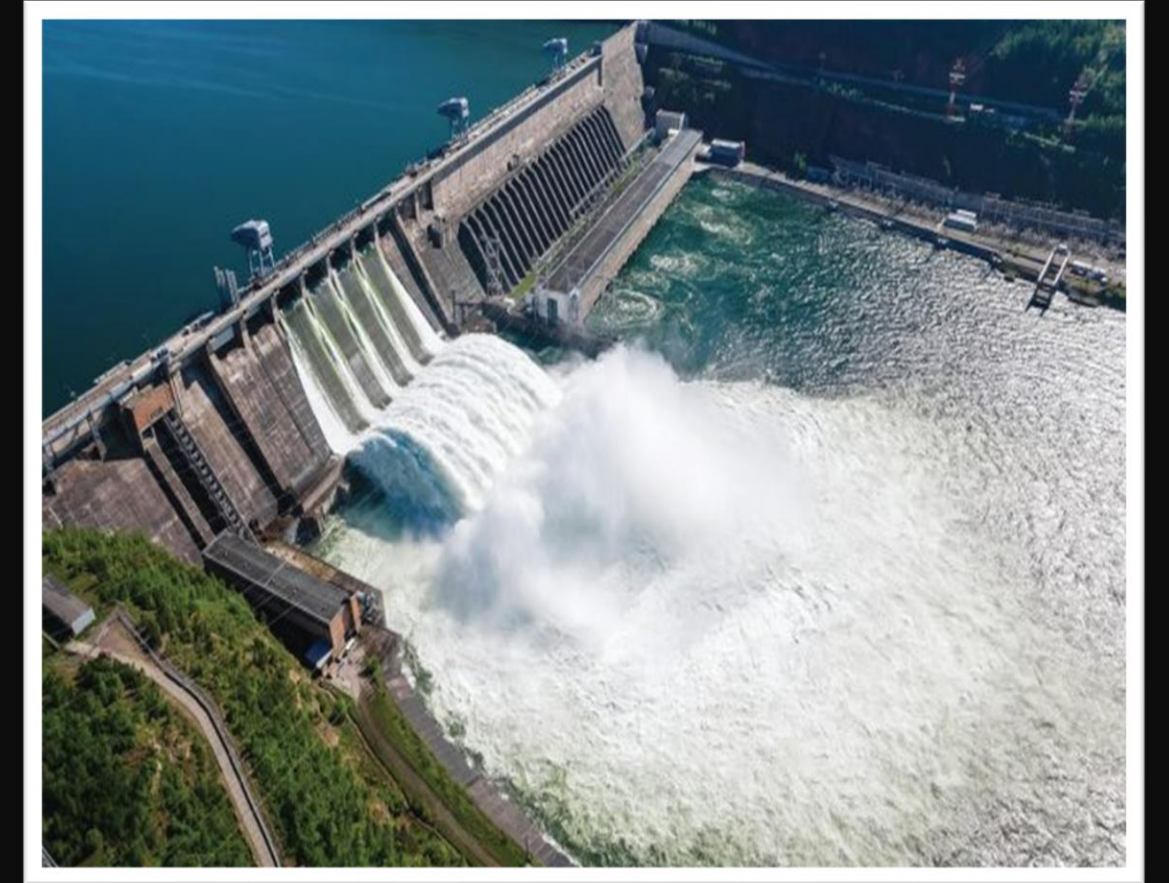
### कोयला आधारित विद्युत की वर्तमान स्थिति (2024):

- कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता: फरवरी 2024 तक भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता – 426.26 गीगावाट (GW)।
  - इसमें से कोयला आधारित बिजली उत्पादन – लगभग 208 GW (~49%)।
  - भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा स्रोत कोयला ही है।
- प्रमुख संगठन: नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (NTPC) भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL)
  - कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) राज्य बिजली बोर्ड (State Electricity Boards - SEBs)





3. प्रमुख कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र: विन्ध्याचल सुपर थर्मल पावर स्टेशन (मध्य प्रदेश) – 4760 MW  
मुंद्रा थर्मल पावर स्टेशन (गुजरात) – 4620 MW  
कोरबा सुपर थर्मल पावर स्टेशन (छत्तीसगढ़) – 2600 MW  
सिंगरौली सुपर थर्मल पावर स्टेशन (उत्तर प्रदेश) – 2000 MW





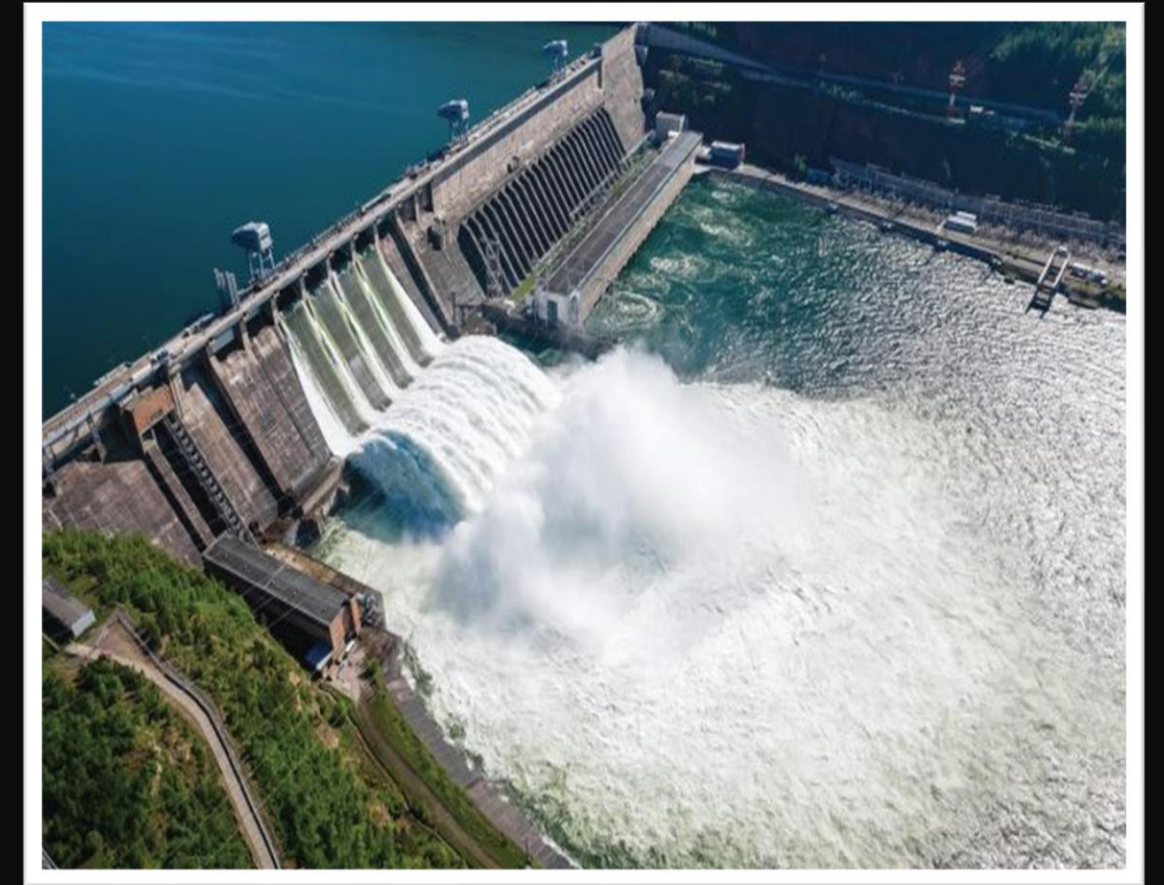
## सरकार की पहल और नीतियाँ:

### 1. राष्ट्रीय विद्युत नीति 2021:

- कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की कार्यकुशलता और प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों में सुधार।
- बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता और स्थिरता सुनिश्चित करना।

### 2. ऊर्जा सुरक्षा हेतु कोयला उत्पादन में वृद्धि:

- घरेलू कोयला उत्पादन को 2029-30 तक 1.5 बिलियन टन तक बढ़ाने की योजना। वाणिज्यिक कोयला खनन को बढ़ावा देना।



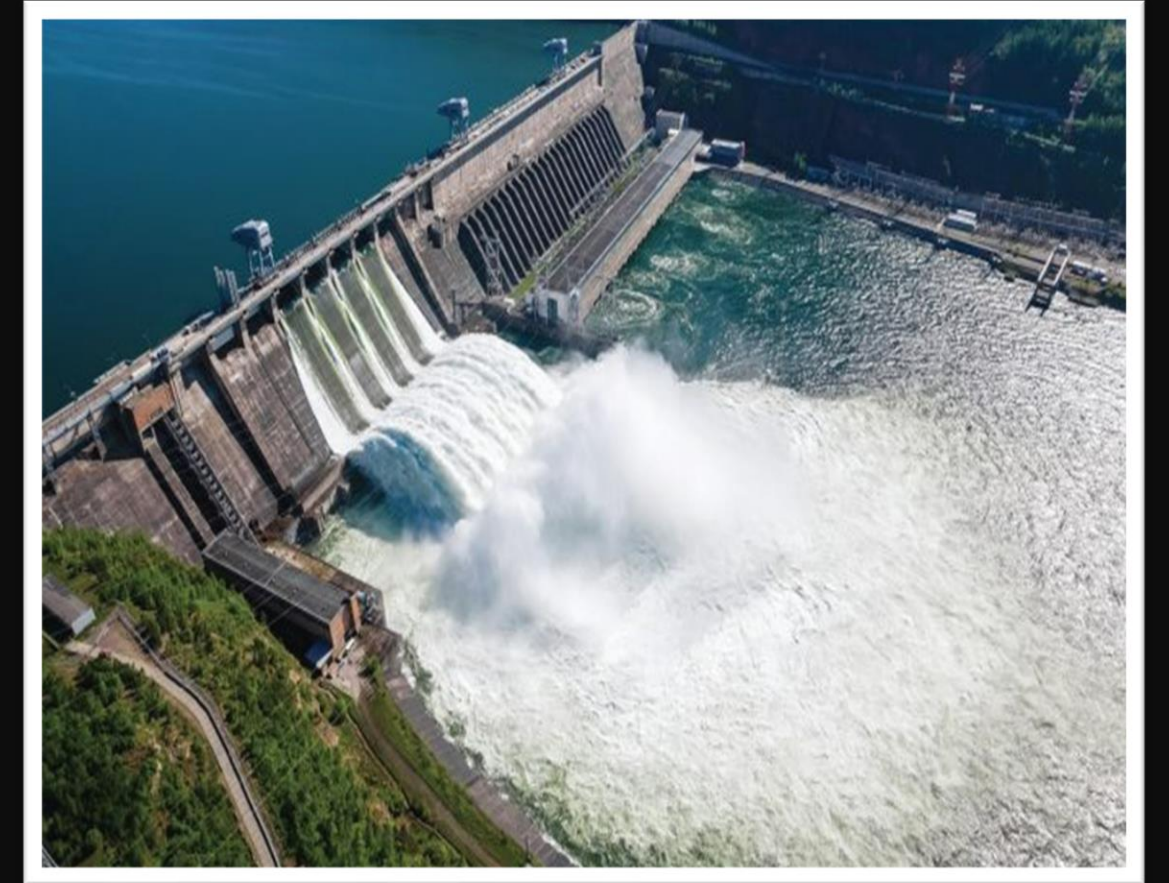


### 3. क्लीन कोल टेक्नोलॉजी (CCT):

- सुपरक्रिटिकल (Supercritical) और अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल (Ultra-Supercritical) तकनीकों को अपनाना।
- कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (CCS) का उपयोग कर प्रदूषण को कम करना।

### 4. पर्यावरणीय सुधार प्रयास:

- 2030 तक कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने का लक्ष्य।
- पराली और अपशिष्ट आधारित सह-ईंधन (Co-firing) को बढ़ावा देना।





## कोयला आधारित विद्युत क्षेत्र की चुनौतियाँ:

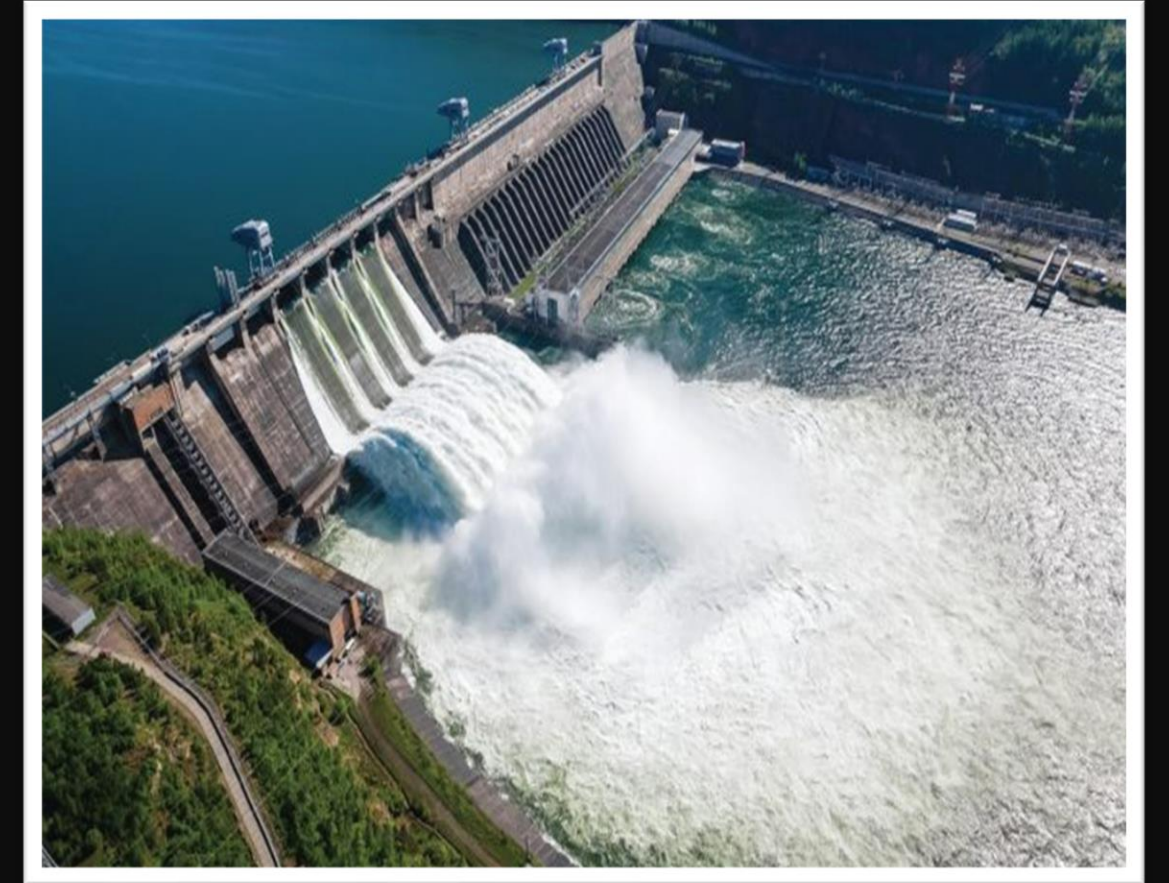
### 1. पर्यावरणीय प्रभाव:

वायु प्रदूषण (CO<sub>2</sub>, SO<sub>2</sub>, NOx, PM 2.5, राख उत्सर्जन)।

- जल प्रदूषण और कोयला खनन से वन और जैव विविधता को नुकसान।

### 2. कोयले की गुणवत्ता और आपूर्ति:

- भारत में कोयले का औसत कैलोरी मान (Heat Value) कम होने के कारण अधिक खपत और प्रदूषण।
- आयातित कोयले पर निर्भरता बढ़ रही है, जिससे लागत बढ़ती है।





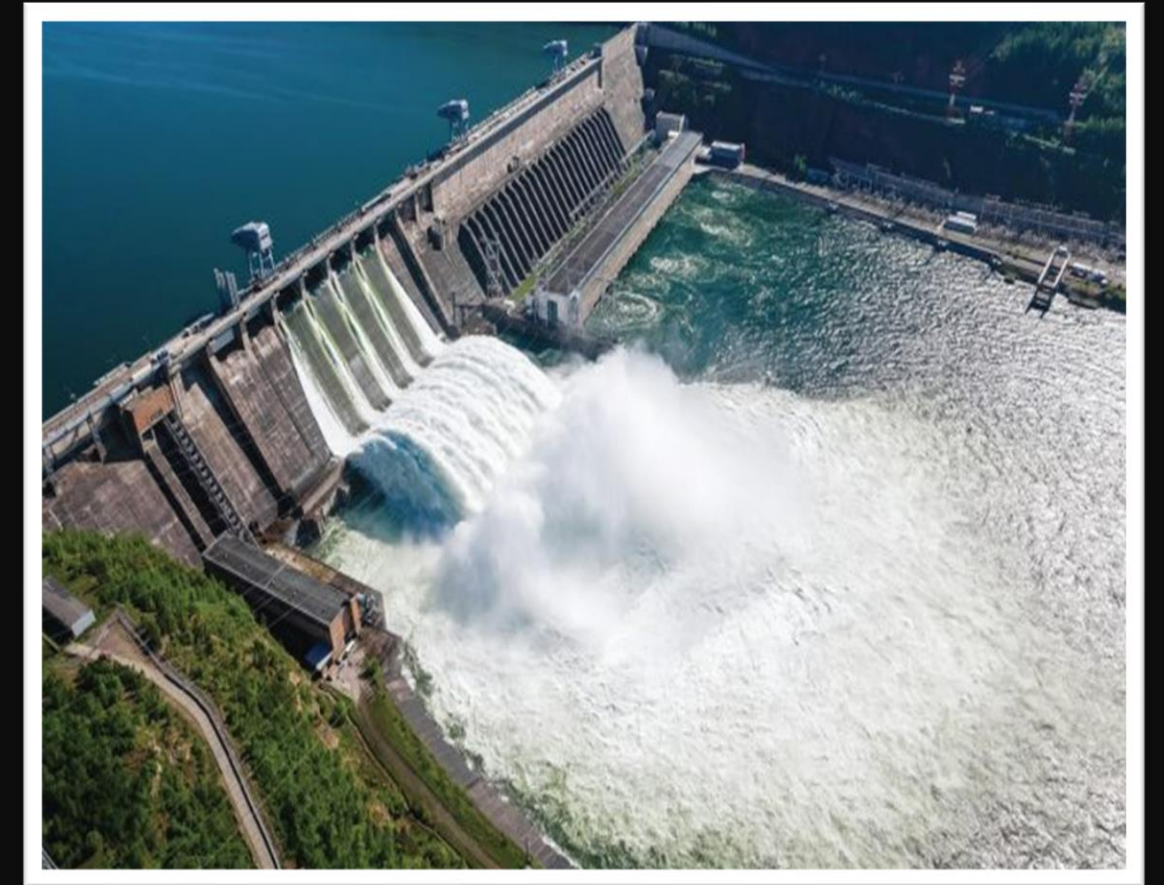


### 3. वित्तीय संकट और निजी निवेश की कमी:

- कई राज्य बिजली बोर्ड (SEBs) आर्थिक रूप से घाटे में हैं।
- बैंक और निजी निवेशक कोयला परियोजनाओं में निवेश करने से बच रहे हैं क्योंकि यह कार्बन उत्सर्जन के कारण वैश्विक दबाव में है।

### 4. नवीकरणीय ऊर्जा से प्रतिस्पर्धा:

- सौर और पवन ऊर्जा की लागत घट रही है, जिससे कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की प्रतिस्पर्धा कठिन हो रही है।

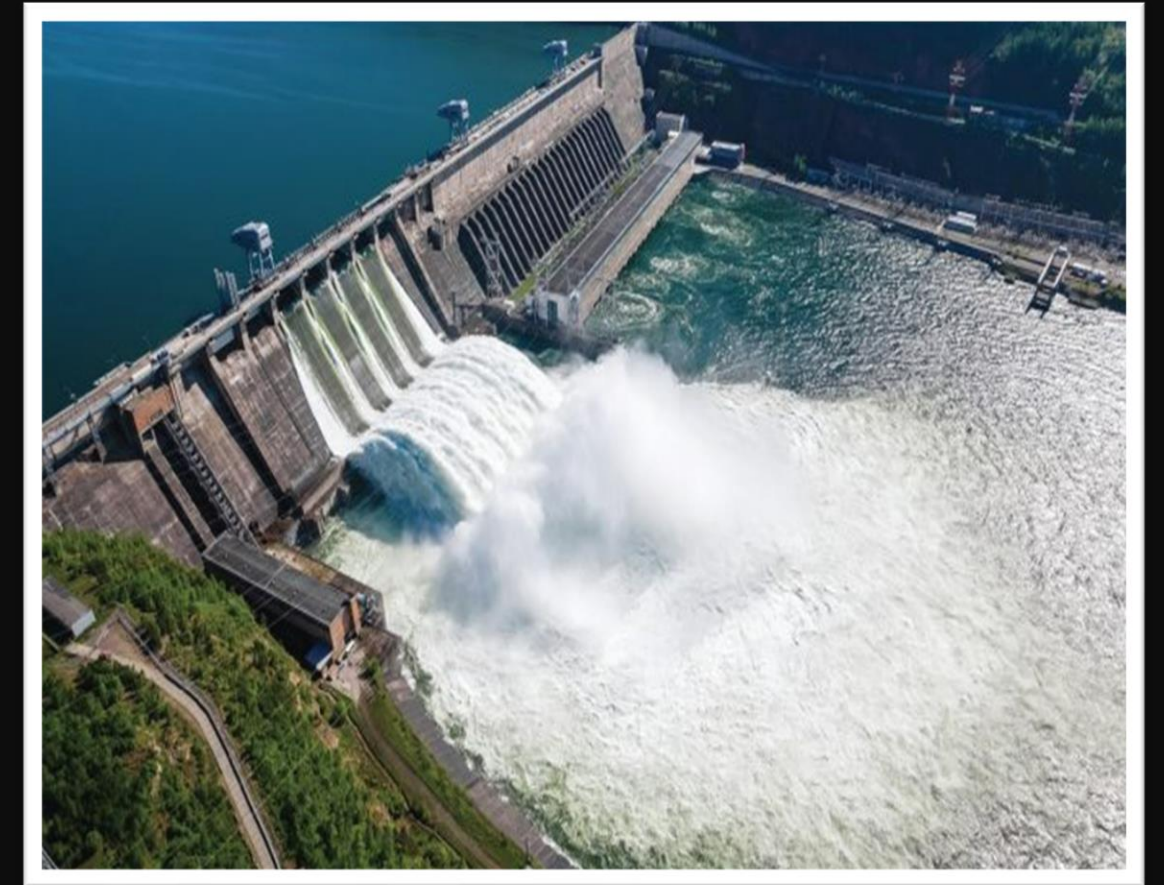




- 2030 तक भारत का 50% बिजली उत्पादन नवीकरणीय स्रोतों से करने का लक्ष्य।

## भविष्य की संभावनाएँ और उपाय:

- कोयला आधारित बिजली उत्पादन को अधिक कुशल और स्वच्छ बनाना।
- सुपरक्रिटिकल और अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल तकनीकों को अपनाना।
- कार्बन कैप्चर और स्टोरेज (CCS) तकनीकों का विकास।
- नवीकरणीय ऊर्जा (सौर, पवन, हाइड्रो) और कोयला आधारित ऊर्जा का संतुलन।
- स्मार्ट ग्रिड और ऊर्जा भंडारण (Battery Storage) को बढ़ावा देना।

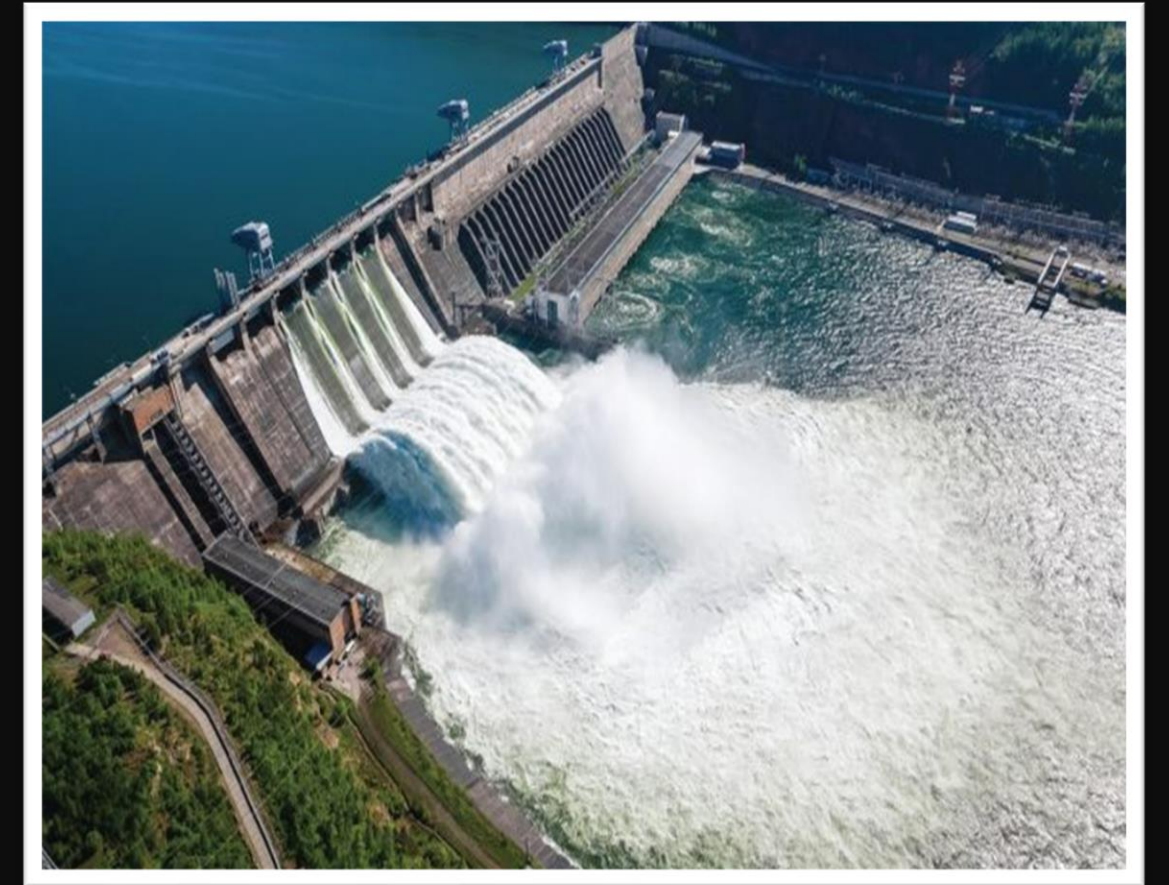


### भारत में सौर ऊर्जा की वर्तमान स्थिति परिचय-

- सौर ऊर्जा (Solar Energy) भारत में सबसे तेज़ी से विकसित हो रहा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है।
- भारत सौर ऊर्जा उत्पादन में दुनिया के शीर्ष 5 देशों में शामिल है और इसका लक्ष्य 2030 तक 500 GW गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता प्राप्त करना है।

### भारत में सौर ऊर्जा का वर्तमान उत्पादन (2024)

1. कुल स्थापित क्षमता: फरवरी 2024 तक भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता: 426.26 GW।



## जलविद्युत परियोजनाओं हेतु योजना



## Daily Current News

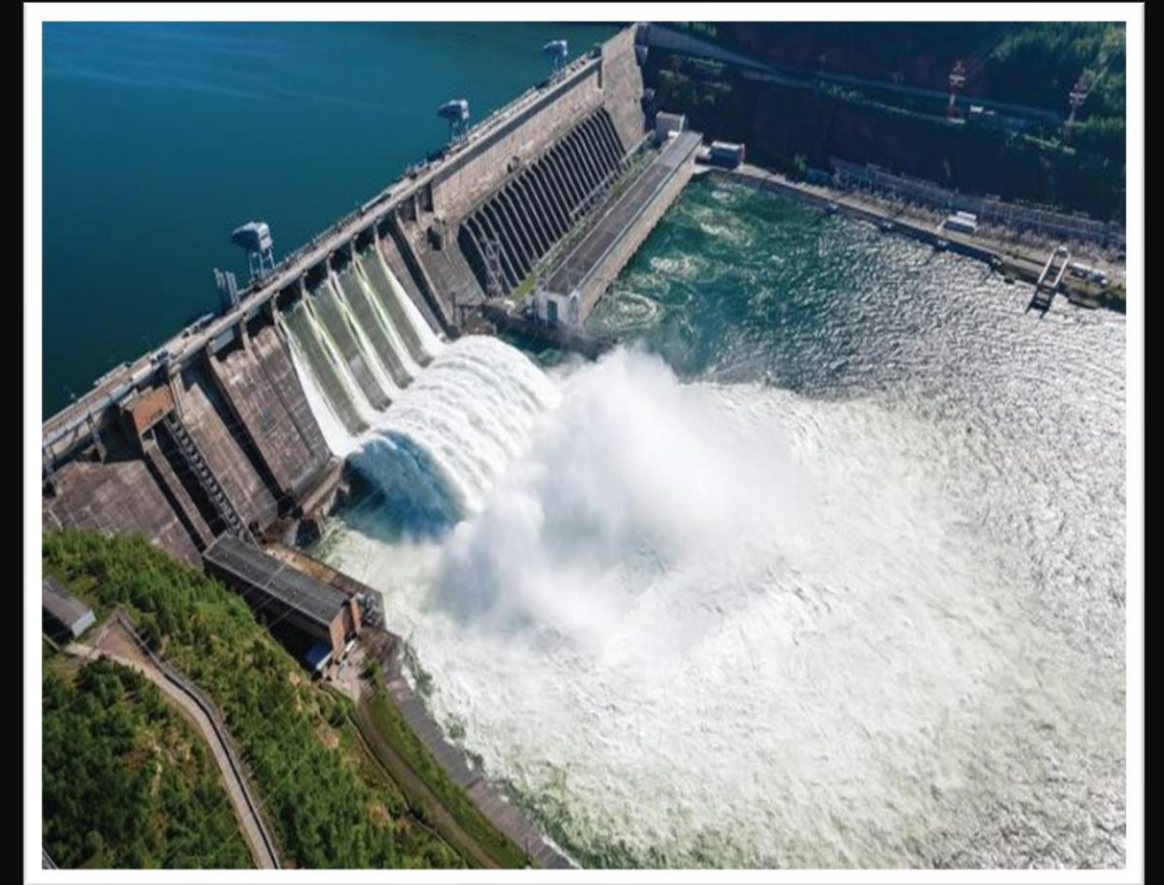
- इसमें से सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता: 73.31 GW (लगभग 17%)। भारत का लक्ष्य 2026-27 तक 100 GW सौर ऊर्जा स्थापित करना।

### 2. दुनिया में स्थिति:

- भारत सौर ऊर्जा उत्पादन में चौथे स्थान पर (चीन, अमेरिका, जापान के बाद)।
- "वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड" (OSOWOG) पहल के माध्यम से वैश्विक सौर ऊर्जा नेटवर्क विकसित करने का प्रयास।

### 3. राज्यानुसार सौर ऊर्जा उत्पादन:

- सर्वाधिक सौर ऊर्जा उत्पादन वाले राज्य: राजस्थान (17+ GW), गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक।





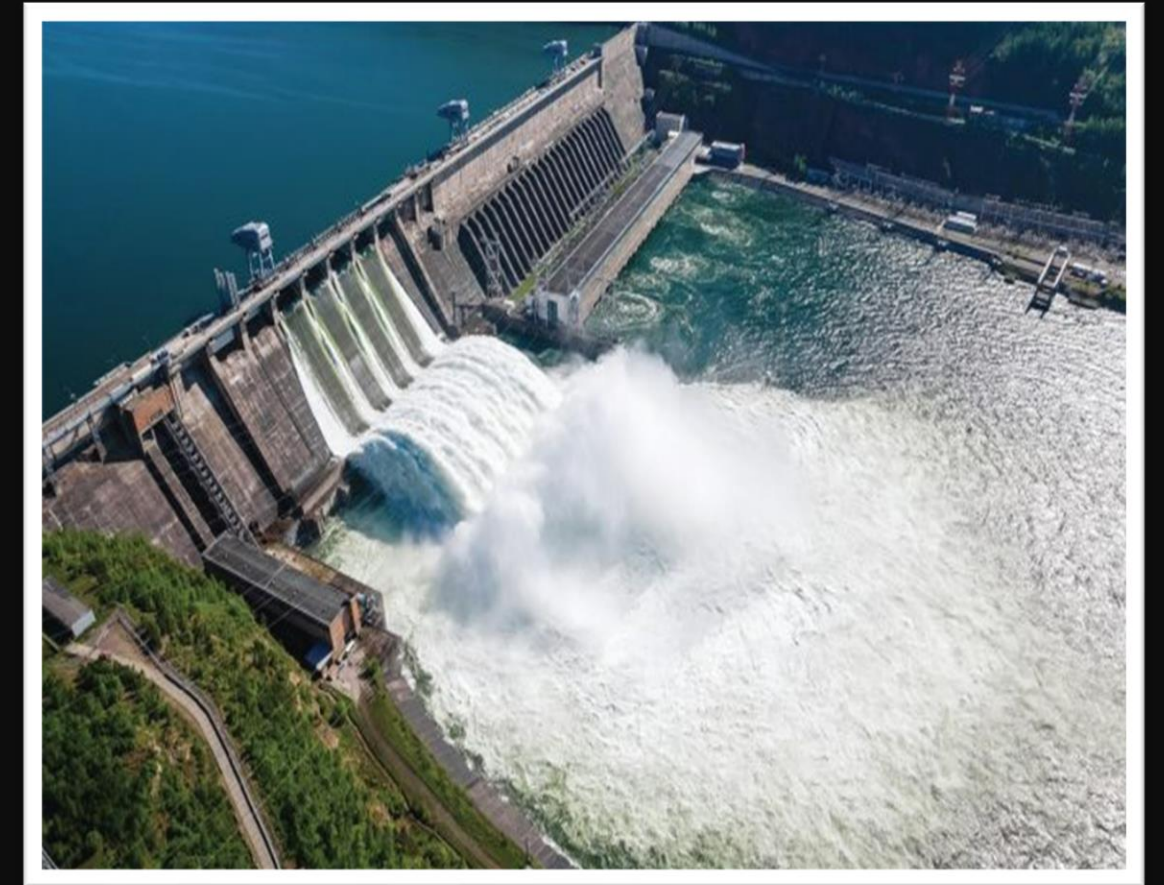
## प्रमुख सौर ऊर्जा संयंत्र:

- भदला सोलर पार्क (राजस्थान) – 2.25 GW (दुनिया के सबसे बड़े सौर पार्कों में से एक)।
- पावागढ़ सोलर पार्क (कर्नाटक) – 2.05 GW।
- कालापूर सोलर पार्क (गुजरात) – 1 GW।

## सरकार की प्रमुख योजनाएँ और पहल

### 1. राष्ट्रीय सौर मिशन (NSM) – 2010

- 2022 तक 100 GW सौर ऊर्जा स्थापित करने का लक्ष्य (62 GW ग्राउंड-माउंटेड, 40 GW रूफटॉप सोलर)।
- इसमें से 73.31 GW (2024 तक) स्थापित किया जा चुका है।





## 2. प्रधानमंत्री कुसुम योजना (2019)

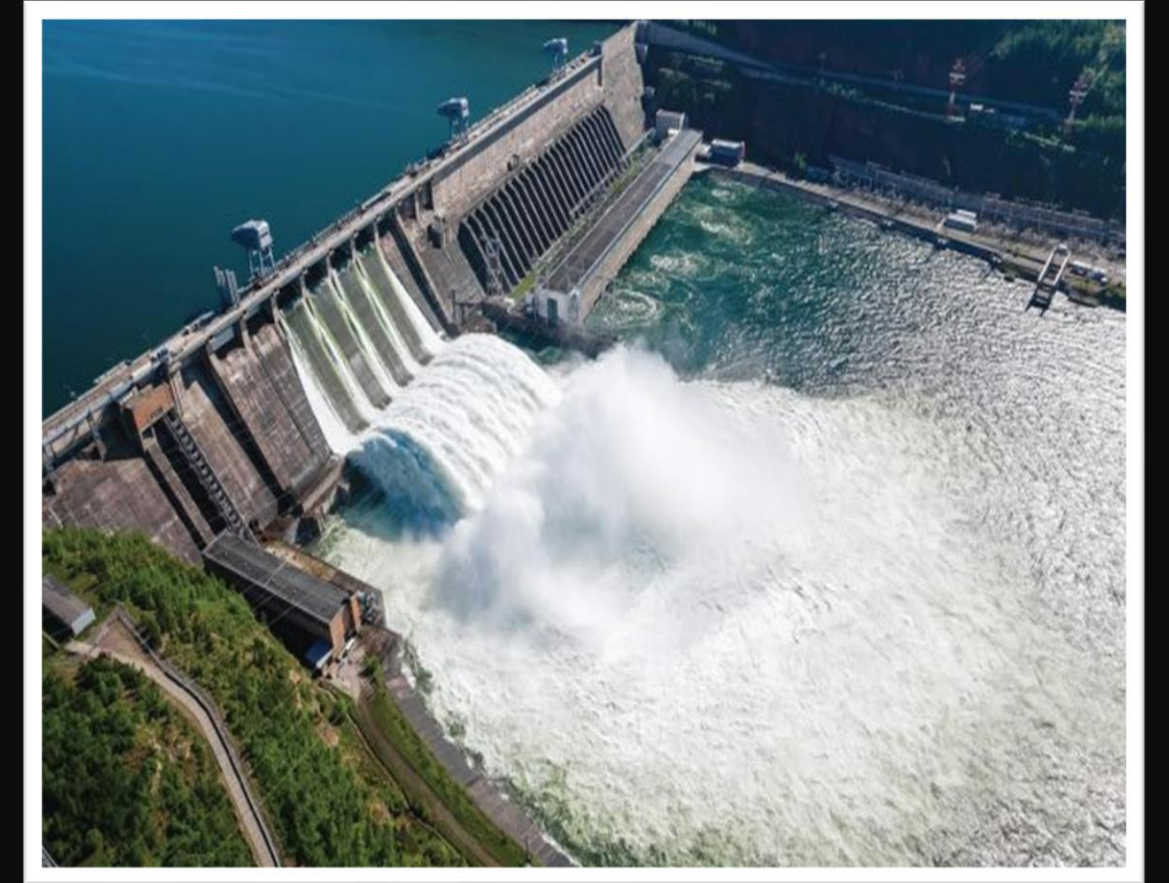
- किसानों को सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप प्रदान करना।
- 2026 तक 30.8 GW क्षमता जोड़ने का लक्ष्य।

## 3. सौर पार्क योजना

- 50 सौर पार्कों के निर्माण हेतु 40,000 करोड़ रुपये का निवेश।
- राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश में बड़े सौर पार्क।

## 4. पीएलआई योजना (Production Linked Incentive - 2021)

- घरेलू सौर पैनल और सौर सेल निर्माण को बढ़ावा। 19,500 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन।



### 5. ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (2023)

- 2030 तक 5 मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और इसके लिए सौर ऊर्जा का अधिक उपयोग।

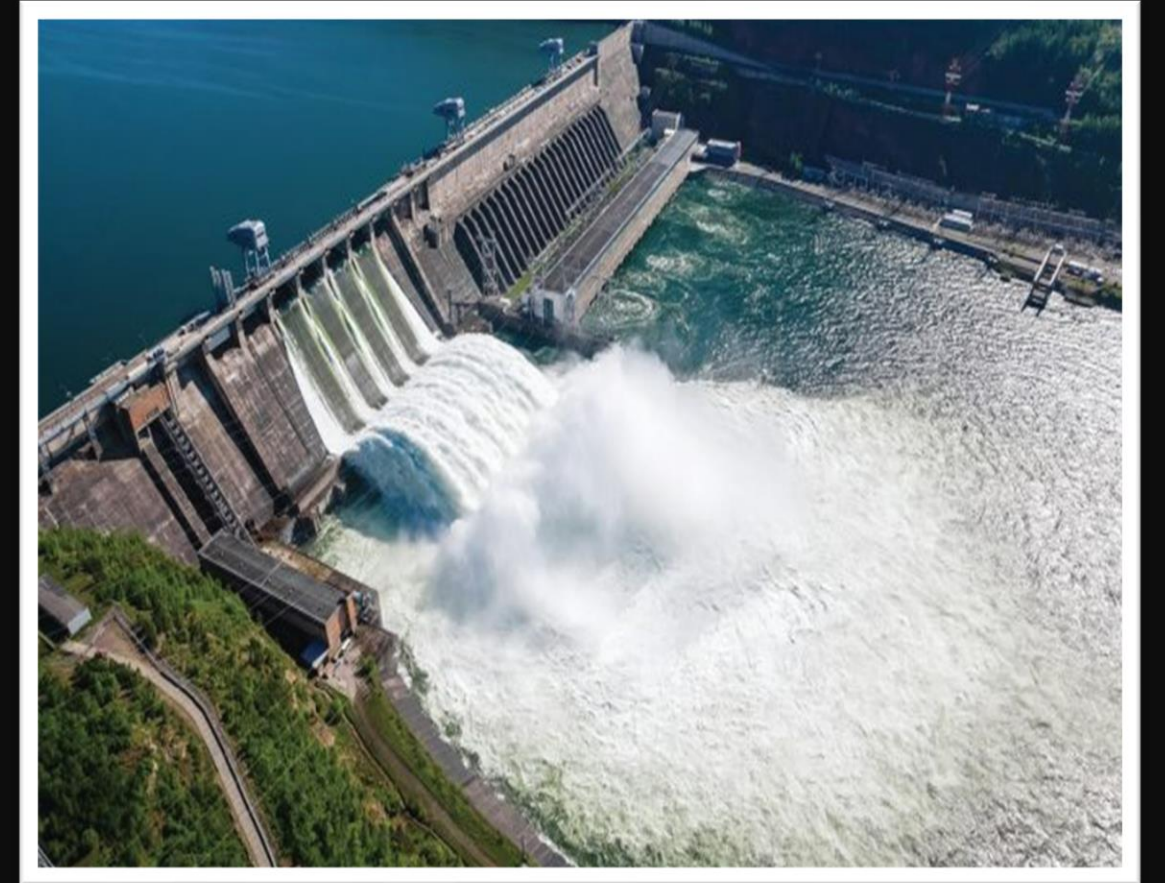
### सौर ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियाँ

#### 1. सौर पैनल और उपकरणों की निर्भरता:

- भारत 75-80% सौर पैनल चीन से आयात करता है, जिससे आत्मनिर्भरता कम है।

#### 2. ऊर्जा भंडारण (Storage) की समस्या:

- बैटरी तकनीक महंगी होने के कारण सौर ऊर्जा का 24/7 उपयोग कठिन।





### 3. भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय चिंताएँ:

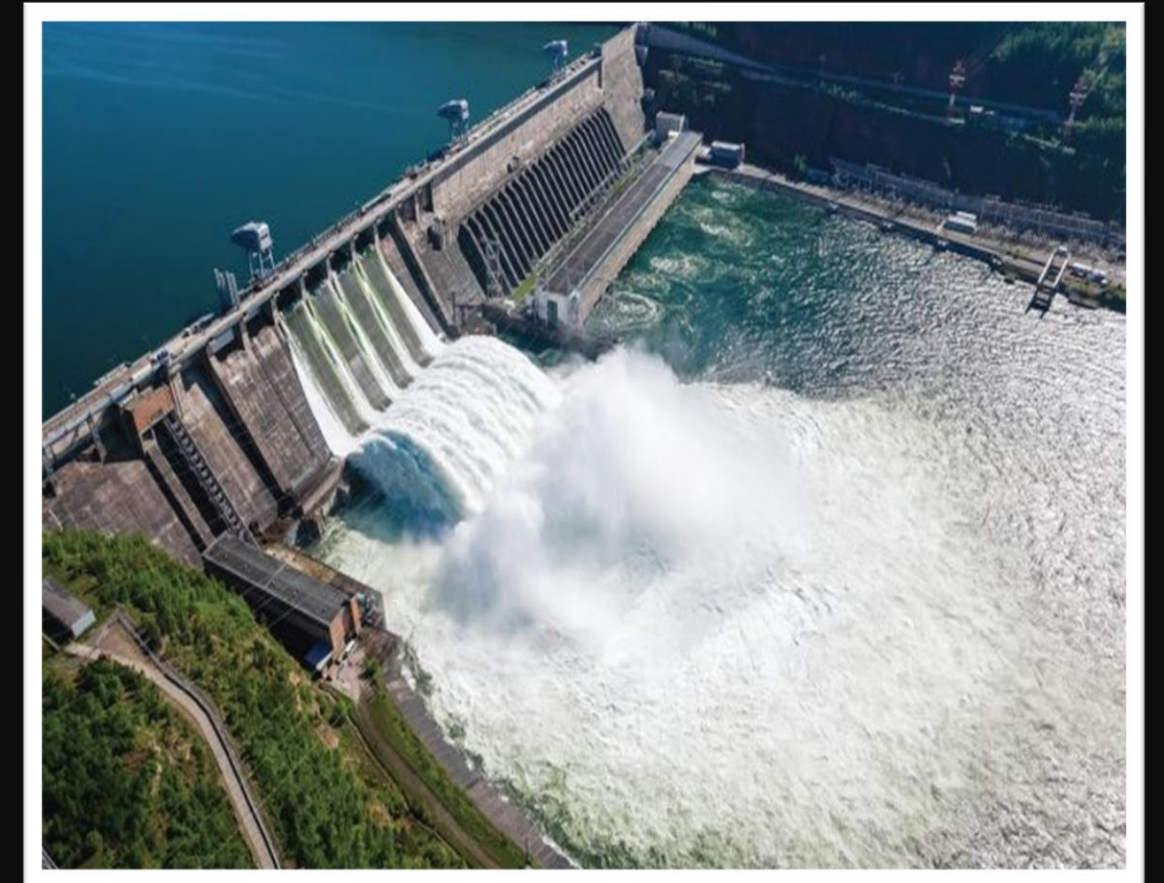
- बड़े सौर पार्कों के लिए कृषि भूमि और वन क्षेत्रों का उपयोग।

### 4. वित्तीय चुनौतियाँ:

- रूफटॉप सोलर को अपनाने में लोगों की रुचि और निवेश की कमी।

### 5. संरचनात्मक और ग्रिड एकीकरण समस्याएँ:

- ग्रिड में अस्थिर सौर ऊर्जा के कारण बिजली संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण।

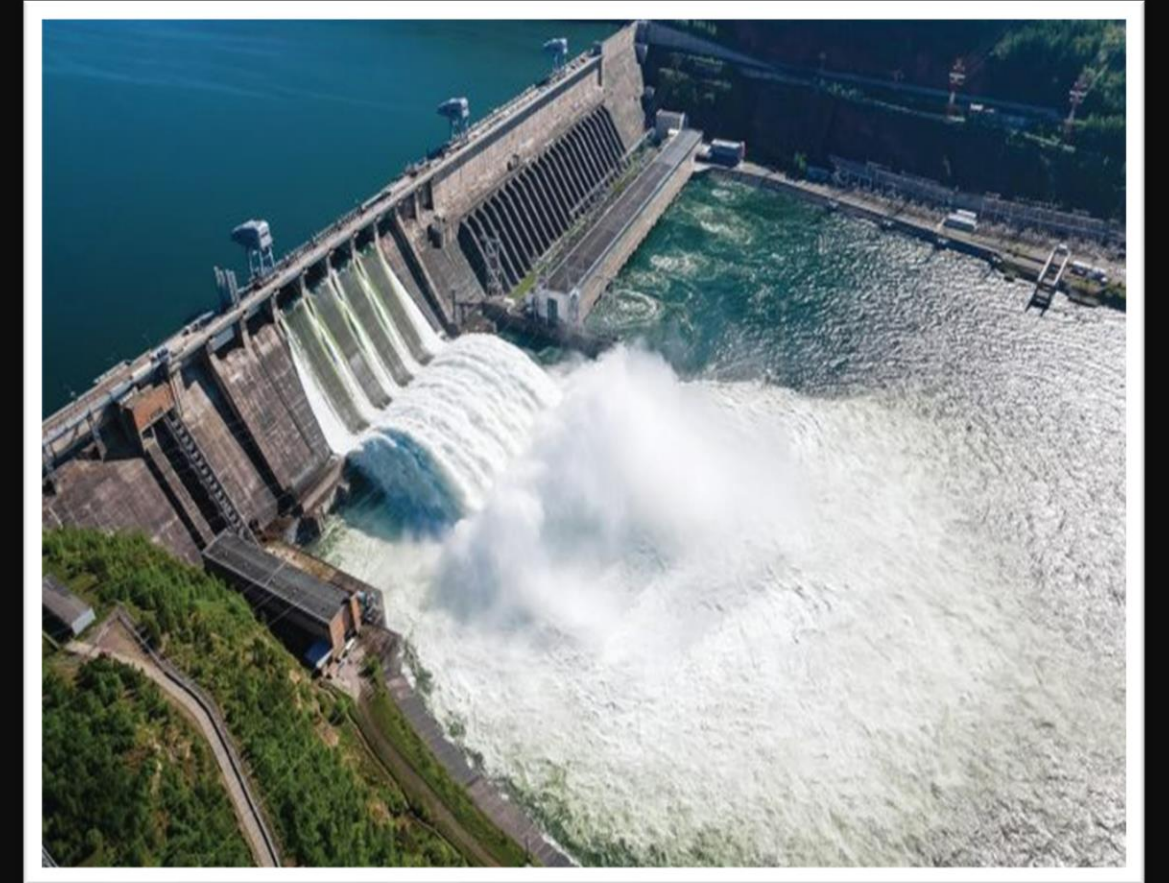






## भविष्य की संभावनाएँ और समाधान

1. घरेलू सौर उपकरण निर्माण को बढ़ावा देना (Make in India, PLI योजना)।
2. ऊर्जा भंडारण समाधान विकसित करना (सस्ती बैटरियाँ, हाइड्रोजन स्टोरेज)।
3. छतों पर सौर ऊर्जा (Rooftop Solar) को बढ़ावा देना।
4. हाइब्रिड ऊर्जा प्रणाली (सौर + पवन + जलविद्युत) को अपनाना।
5. "वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड" (OSOWOG) योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय सहयोग।





## सौर ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियाँ

### 1. सौर पैनल और उपकरणों की निर्भरता:

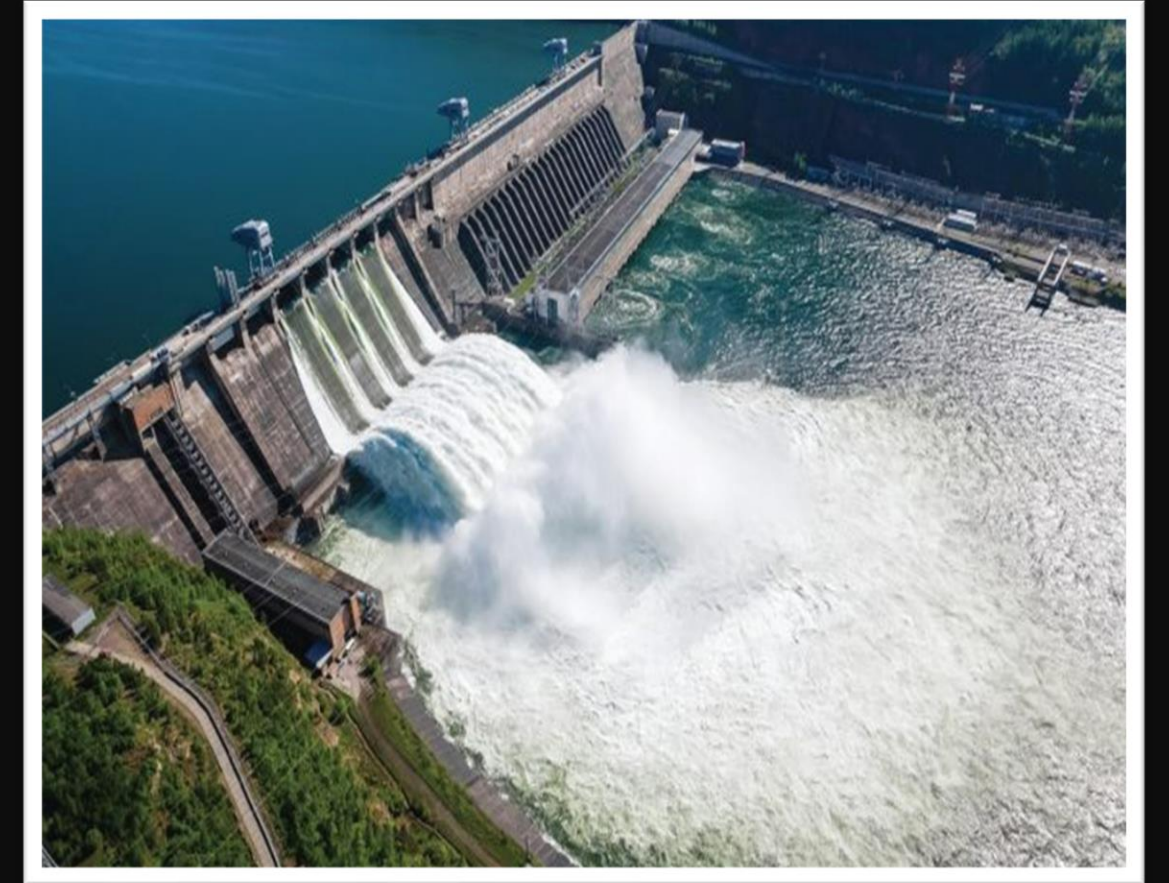
- भारत 75-80% सौर पैनल चीन से आयात करता है, जिससे आत्मनिर्भरता कम है।

### 2. ऊर्जा भंडारण (Storage) की समस्या:

- बैटरी तकनीक महंगी होने के कारण सौर ऊर्जा का 24/7 उपयोग कठिन।

### 3. भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय चिंताएँ:

- बड़े सौर पार्कों के लिए कृषि भूमि और वन क्षेत्रों का उपयोग।



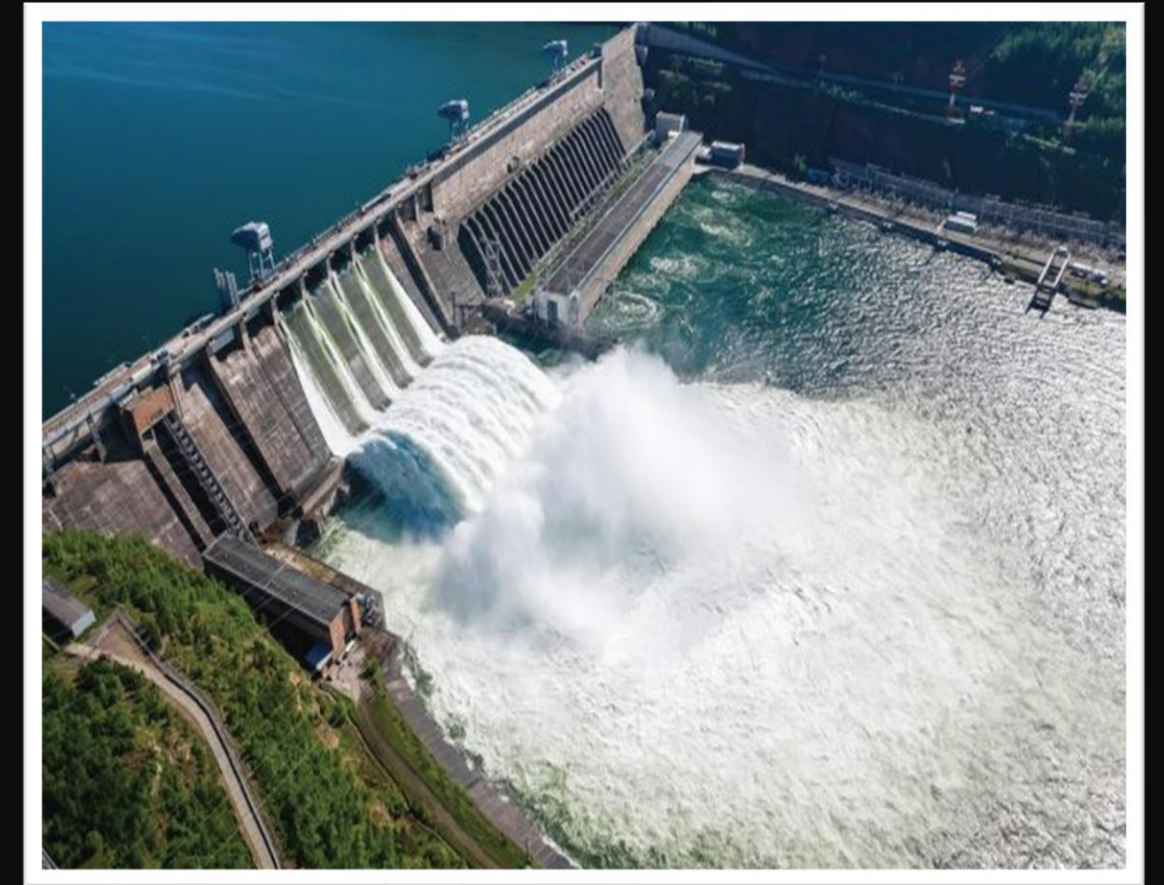


## 4. वित्तीय चुनौतियाँ:

- रूफटॉप सोलर को अपनाने में लोगों की रुचि और निवेश की कमी।
- 5. संरचनात्मक और ग्रिड एकीकरण समस्याएँ:
- ग्रिड में अस्थिर सौर ऊर्जा के कारण बिजली संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण।

## भविष्य की संभावनाएँ और समाधान

1. घरेलू सौर उपकरण निर्माण को बढ़ावा देना (Make in India, PLI योजना)।
2. ऊर्जा भंडारण समाधान विकसित करना (सस्ती बैटरियाँ, हाइड्रोजन स्टोरेज)।

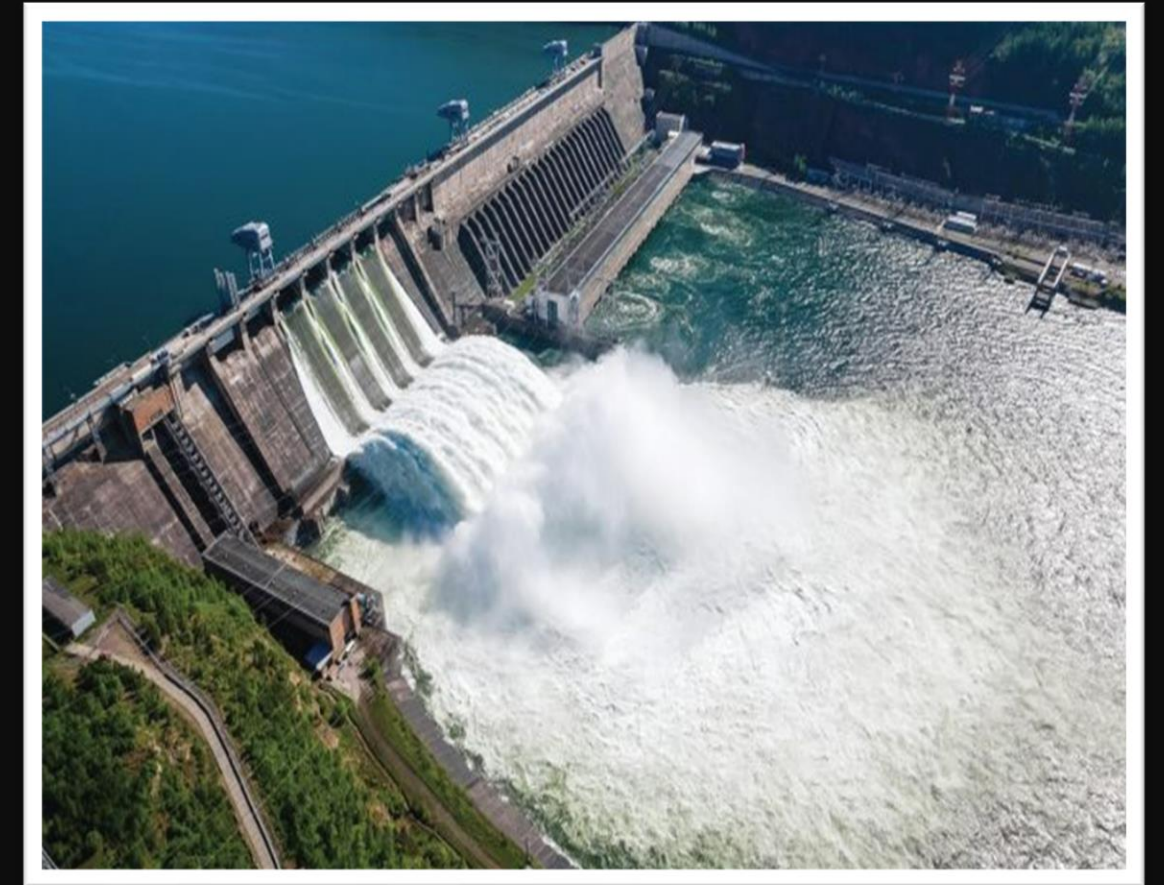


## जलविद्युत परियोजनाओं हेतु योजना



## Daily Current News

3. छतों पर सौर ऊर्जा (Rooftop Solar) को बढ़ावा देना।
4. हाइब्रिड ऊर्जा प्रणाली (सौर + पवन + जलविद्युत) को अपनाना।
5. "वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड" (OSOWOG) योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय सहयोग।

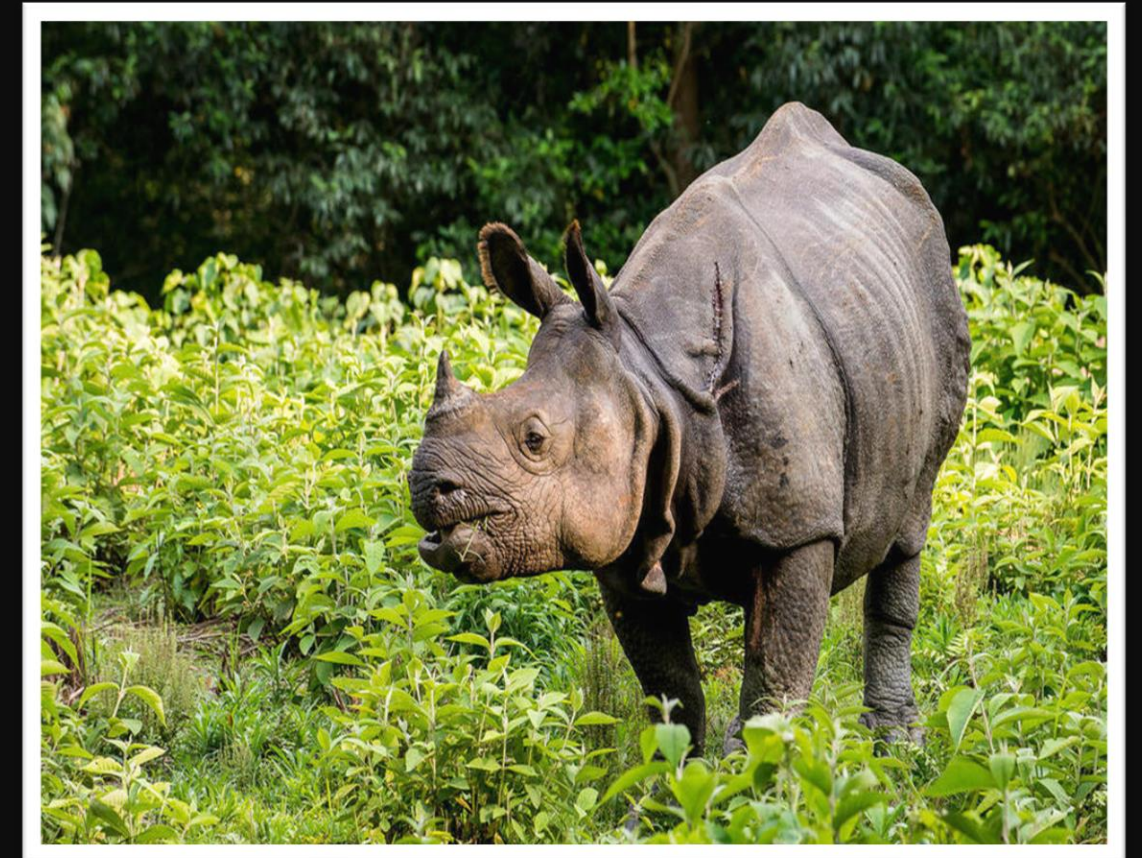




इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन

### इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन (IRF) की 'स्टेट ऑफ द राइनो 2024' रिपोर्ट परिचय-

- इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन (IRF) गैंडों के संरक्षण के लिए कार्य करने वाला एक प्रमुख संगठन है।
- इसकी स्थापना 1991 में इंटरनेशनल ब्लैक राइनो फाउंडेशन के रूप में की गई थी।
- 2024 की रिपोर्ट में गैंडों की वैश्विक स्थिति, उनकी आबादी और संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है



### रिपोर्ट के मुख्य बिंदु-

- दुनिया में गैंडों की कुल संख्या: लगभग 28,000।
- 2022-23 के बीच अफ्रीका में गैंडों के अवैध शिकार में 4% वृद्धि। सफेद गैंडों की संख्या बढ़ी, लेकिन भारतीय गैंडे (वन-हॉर्नड राइनो) की संख्या स्थिर।
- दक्षिण अफ्रीका में सफेद गैंडों की आबादी में वृद्धि दर्ज की गई।
- गैंडों की प्रमुख प्रजातियाँ-

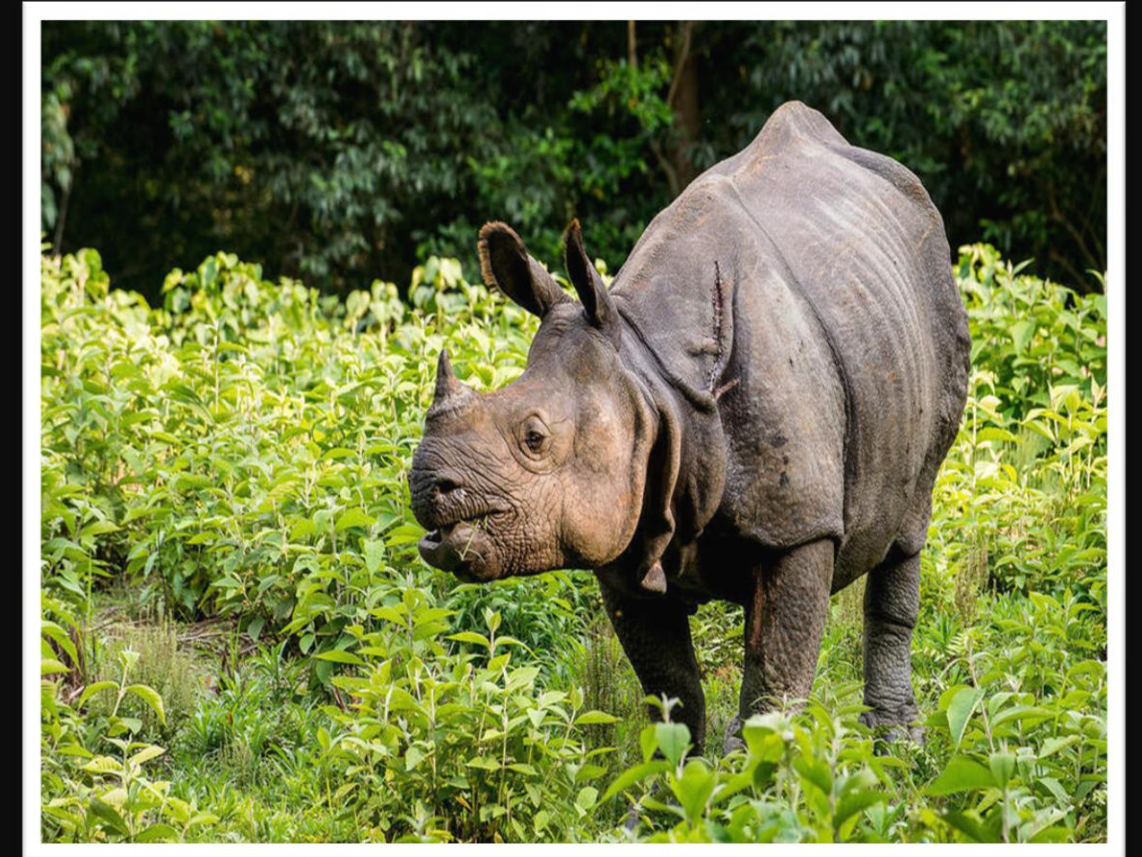
### गैंडों के संरक्षण हेतु प्रमुख पहलें

1. राष्ट्रीय गैंडा संरक्षण रणनीति, 2019 (भारत) भारतीय गैंडों के संरक्षण और उनकी संख्या बढ़ाने के लिए कार्ययोजना।





2. एशियाई गैंडों पर नई दिल्ली घोषणा-पत्र, 2019  
भारत, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया द्वारा संयुक्त संरक्षण प्रयास।
3. इंडियन राइनो विजन 2020 असम में काजीरंगा, मानस और अन्य संरक्षित क्षेत्रों में गैंडों की आबादी बढ़ाने का लक्ष्य।







प्रजाति	क्षेत्र	संरक्षण स्थिति
भारतीय गैंडा (वन-हॉर्नड राइनो)	भारत, नेपाल	संकटग्रस्त (Vulnerable)
सुमात्राई गैंडा	इंडोनेशिया	गंभीर संकटग्रस्त (Critically Endangered)
जावा गैंडा	इंडोनेशिया	गंभीर संकटग्रस्त (Critically Endangered)
काला गैंडा	अफ्रीका	संकटग्रस्त (Endangered)
सफेद गैंडा	अफ्रीका	लगभग संकटमुक्त (Near Threatened)





# ICDDR

आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन



## आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI) की पांचवीं वर्षगांठ मुख्य बिंदु

- आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI) ने अपनी पांचवीं वर्षगांठ मनाई।
- अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर रेजिलिएंस प्रोग्राम (UIRP) के तहत 2.5 मिलियन डॉलर के फंड की घोषणा।
- इस फंड का उपयोग भारत सहित 30 निम्न और मध्यम आय वाले देशों को जलवायु परिवर्तन-रोधी बनाने में किया जाएगा।





## CDRI का महत्त्व

### 1. वैश्विक वित्त-पोषण और समन्वय:

आपदा प्रबंधन और अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने हेतु आर्थिक सहायता।

### 2. तकनीकी सहायता और नवाचार:

आपदा से निपटने और पुनर्वास में सहायता।  
नए तकनीकी समाधानों का विकास और समर्थन।

### 3. क्षमता निर्माण:

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा रोधी ढांचे का विकास।  
स्थानीय प्रशासन और संगठनों को प्रशिक्षित करना।





## आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI)

परिचय-

स्थापना: भारत ने 2019 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में CDRI की शुरुआत की।

मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत।

सदस्य: विभिन्न देश, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियाँ, बहुपक्षीय विकास बैंक और निजी क्षेत्र।

सदस्य:- 7संगठन और 40 देश





## CDRI का उद्देश्य

- आपदा-रोधी और जलवायु-लचीली अवसंरचना का विकास।
- सतत विकास को बढ़ावा देना और आपदा जोखिम को कम करना।
- वैश्विक सहयोग के माध्यम से नवाचार और वित्तीय संसाधनों को जुटाना।

## CDRI द्वारा जारी प्रमुख रिपोर्ट

ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर रेजिलियंस रिपोर्ट – वैश्विक स्तर पर आपदा-रोधी अवसंरचना की स्थिति और समाधान पर केंद्रित रिपोर्ट।

**क्या है CDRI:**– CDRI प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने और स्थायी अवसंरचना के विकास में एक महत्वपूर्ण वैश्विक पहल है।





यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वित्तीय सहायता और तकनीकी नवाचार के माध्यम से सुरक्षित भविष्य की दिशा में कार्य कर रहा है।

आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI) द्वारा शुरू की गई प्रमुख पहलें

1. इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर रेजिलिएंट आइलैंड स्टेट्स (IRIS)

लघु द्वीपीय विकासशील देशों (SIDS) में लचीली, संघारणीय और समावेशी अवसंरचना के विकास को बढ़ावा देना।

2. DRI कनेक्ट प्लेटफॉर्म-

आपदा-रोधी ज्ञान का आदान-प्रदान करने, सीखने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक मंच।





### 3. अंतर्राष्ट्रीय आपदा-रोधी अवसंरचना सम्मेलन (ICDRI)

- वार्षिक सम्मेलन, जिसमें विशेषज्ञ और नीति-निर्माता आपदा प्रबंधन चुनौतियों पर चर्चा करते हैं और समाधान प्रस्तुत करते हैं।

### 4. इंफ्रास्ट्रक्चर रेजिलिएंस एक्सेलेरेटर फंड (IRAF)

- आपदा-रोधी अवसंरचना परियोजनाओं के लिए वैश्विक वित्तीय सहयोग। इसे UNDP और UNDRR के समर्थन से स्थापित किया गया है।







Thank  
you

